जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 1 अप्रेल, 2023

1900 Sq Ft वाला 2 साइड ओपन 3 BHK फ्लैट सिर्फ 50 लाख में !

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स 60 एमेनिटीज के साथ

OUTDOOR

1. Lotus Canopy
2. Chaupati
3. Temple
4. Rashi Garden
5. Open Air Theatre
6. Wetland Park
7. Plant Nursery
8. Meditation Zone
9. Kid's Play Area
10. Sandpit
11. Open Gym
12. Herb Garden
13. Interactive Fountain
14. Lap Pool
15. Kid's Pool
16. Roof Top Walk
17. Multipurpose Lawn
18. South End Park
19. Vocational Workshop Space
20. Sensory Walk
21. Viewing Decks
22. Nature Trail
23. Savanna Elevated Trail
24. Ecological Rich Zone
25. Adventure Play Area
26. Picnic Points
27. Interactive Seatings with Gazebo
28. Seating with Trellis

INDOOR

29. Tuition Rooms
30. Conference Room
31. Meeting Room
32. Women's Corner
33. Art Room
34. Kid's Workshop Area
35. Kid's play and fun area
36. Trampoline
37. Disney Theme Game Room
38. Featuristic Club entry with Bridges
39. Chit Chat Lobby
40. Health Care Facility
41. Gymnasium
42. Yoga Room
43. Card Room
44. Chess Room
45. Carrom Room
46. Table Tennis
47. Billiards
48. Cafeteria with Outdoor seating
49. Banquet Hall

SPORTS

50. Basket Ball Court
51. Badminton Court
52. Skating Rink
53. Lawn Tennis Court
54. Mini Golf
55. Cricket Practice Net
56. Box Cricket
57. Jogging Loop
58. Cycling Track

OTHER

59. Entrance Plaza
60. Sezasthan Bazaar

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

LOCATION QR CODE

विचार बिन्दु

विनम्रता की परीक्षा समृद्धि में और स्वाभिमान की परीक्षा अभाव में होती है।
–आदित्य चौधरी

डॉक्टर भगवान न सही, इन्सान तो हैं ही

हमारी सरकारों ने शिक्षा के स्तर को पूर्णतः नष्ट-भ्रष्ट कर दिया है और अब चिकित्सा व्यवस्था को भी पूर्णतः भ्रष्ट करने का प्रयास चल रहा है। सरकारी शिक्षा संस्थाओं की स्थिति सर्वविदित है। सरकारी स्कूलों की हालत और उनकी गुणात्मकता इतनी कम आँकी जाती है कि कारीगर, मजदूर, छोटे किसान और घरेलू काम करने वाले सेवक-सेविकाएँ भी यथा सामर्थ्य सरकारी स्कूलों में अपने बच्चे को नहीं पढ़ाना चाहते। यू.पी. की एक कोर्ट ने शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिये सुझाव दिया कि सबसे पहले जनप्रतिनिधि, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के बच्चों हेतु सरकारी स्कूलों में ही पढ़ना अनिवार्य किया जाय। इस सुझाव पर सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया, क्योंकि उन्हें मालूम है कि सरकारी स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन का स्तर अत्यंत निम्न स्तर का होता जा रहा है। उसके कारणों और निवारण हेतु सरकार का कोई ध्यान नहीं है और न कोई रूचि ही, इसका कारण भी स्पष्ट है। राजनेता अपनी मानव श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं। वे इसे राजनीतिक स्वार्थ, दलीय व व्यक्तिगत स्वार्थ, वोट बैंक, सत्ता व समृद्धि प्राप्ति में बाधक मानते हैं। उनके प्रत्येक निर्णय पर राजनीतिक दखल और वर्चस्व की प्रवृत्ति ही प्रधान होती है, जन कल्याण की प्रवृत्ति नहीं।

चारों ओर निजी संस्थाओं की बाढ़, उनमें संख्या वृद्धि के साथ सरकारी स्कूलों में प्रवेशार्थियों की संख्या घटती जा रही है। शिक्षा के अधिकार के साथ सरकारी स्कूलों, संस्थाओं में सुधार के बजाय उन्होंने कुछ प्रतिशत प्रवेश निजी स्कूलों में भी करने का कानून बना दिया एवं उनका शुल्क सरकार द्वारा वहन करने का भी प्रावधान दिया। सरकार ने सरकारी स्कूलों में सुधार का कोई प्रयास नहीं किया। अस्तु।

हाल ही में राज्य सरकार ने 'स्वास्थ्य का अधिकार' का कानून भी बना दिया। सरकारी चिकित्सालयों की जो दुर्दशा है वह किसी से छिपी नहीं है। लेखक सरकारी अस्पताल में जाना पसंद करता है, हालांकि राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत और सरकारी पेन्शनर होने के नाते वह अन्य अधिकृत निजी हॉस्पिटल में भी जा सकता है। सरकारी हॉस्पिटल में रोगी मारे-मारे फिरते हैं। भीड़ की कतारें, एक खिड़की से दूसरी खिड़की पर भटकना, एक चिकित्सक से दूसरे चिकित्सक को खोजना, उपचार, जाँच व औषधि प्राप्ति हेतु सारा दिन बरबाद होता है और उसके उपरान्त भी अधूरा इलाज व अधूरी औषधि मिल पाना आम बात है। प्रामाणिक औषधियों की प्राप्ति चाहे वह हॉस्पिटल से हो या सरकारी भंडार से, संदेह से परे नहीं होती।

डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ पर इतना बोझ रहता है कि वे चाह कर भी पर्याप्त समय, सुविधा व संतोष रोगी को नहीं दे पाते। इस स्थिति को सुधारने के लिये रोगियों को पहले प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाना व बड़े अस्पतालों को रेफरल हॉस्पिटल रखना एक उचित कदम होता। परंतु सस्ती लोकप्रियता हेतु राजनेता ऐसा नहीं करते, परिणाम स्वरूप इधर चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ का स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो जाता है। दूसरी ओर राजनीतिक दखल के कारण कई नागरिकों द्वारा डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ आम बात हो गई हैं। सुरक्षा हेतु हड़ताल, धरना, प्रदर्शन होते रहते हैं। नागरिकों द्वारा मारपीट भी की जाती है। जो डॉक्टर उपचार हेतु भगवान माना जाता है वह इंसान भी नहीं गिना जाता।

डॉक्टरों की पढ़ाई हेतु एक व्यक्ति को कठिनतम परिश्रम से गुजरना होता है। ज्यादातर सर्वश्रेष्ठ छात्र ही प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते हैं। घर पर और कोचिंग सेन्टर पर खूब व्यय होता है। प्रवेश हो जाने पर उनकी अध्ययन व्यवस्था हेतु सरकार के पास पर्याप्त भवन, स्टाफ व अन्य आवश्यक सुविधाएँ नहीं होती, उनके होस्टल व मैस में घोर अस्वच्छता और अव्यवस्था है। राजस्थान में एम.बी.बी.एस. उत्तीर्ण करने के बाद प्रशिक्षु को देश में सबसे कम भत्ता रू. 7000/- मिलता था जो आंदोलन के बाद हाल ही बढ़ाया गया है।

सुपर स्पेशलिस्ट तक पहुँचने के लिये एम.बी.बी.एस. के बाद पी.जी. (पोस्ट ग्रेजुएट) परीक्षा हेतु अखण्ड तप व परिश्रम करना होता है। कम प्रतिशत ही पी.जी. कर पाते हैं। इसके बाद सुपर स्पेशलिटी हेतु फिर घोर परिश्रम करना होता है। पी.जी. और पोस्ट पी.जी. करते समय 24 घंटे काम करते हैं। सारा काम उनके भरोसे चलता है। इतना परिश्रम किसी भी अन्य करियर (भविष्य व्यवसाय) हेतु नहीं करना पड़ता। उसके उपरान्त गाँव-गाँव, नगर-नगर की नियुक्ति में खाक फाँकनी पड़ती है।

डॉक्टर को भगवान मानने वाले इस देश में डॉक्टर के परिश्रम, त्याग, बलिदान का कभी सही मूल्यांकन नहीं किया गया। क्या हमें ज्ञात नहीं कि कोरोना की अवधि में चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों के परिश्रम पूर्वक सेवा व अपने प्राणों की परवाह न कर इन वीर योद्धाओं ने कोरोना को परास्त किया।

सरकारी शिक्षा व चिकित्सा व्यवस्था की असफलताओं के कारण ही निजी शिक्षण व चिकित्सा संस्थाओं को प्रोत्साहन मिलता है। इनमें जो भ्रष्टाचार की संभावना रहती है उसका कारण भी भ्रष्ट राजनेता व अधिकारी हैं। वे इनसे चौथ वसूली की अपेक्षा रखते ही हैं। यह भी सच है कि निजी संस्थाओं को अपना स्तर बनाये रखने के लिये अपने साधन जुटाने होते हैं। निश्चय ही वहाँ का व्यय अधिक रहा है, रहता है और रहेगा। प्रश्न यह है कि यदि सरकारी संस्था सफल है तो रोगी निजी में जाये ही क्यों? निजी संस्थाओं में लोग जाते ही अपनी इच्छा से हैं, क्योंकि वहाँ उन्हें व्यय के उपरान्त भी सुविधा लगती है। आर.जी.एस.एस. के अन्तर्गत इन निजी चिकित्सा संस्थाओं में भी सरकार रोगियों की मुफ्त चिकित्सा चाहती है। आपात स्थिति में आने वाले हर रोगी का इलाज हो,,वह व्यय नहीं दे सकता तो मुफ्त हो और सरकार उसका पुनर्भरण करेगी। सरकार के पास पैसा है नहीं और इन चिकित्सा संस्थाओं व सहकारी समितियों की करोड़ों की राशि बकाया रहती है। यह फिर कई प्रकार के अन्य अनुचित साधनों को जन्म देता है। सुपर स्पेशलिस्ट के पास चाहे-अनचाहे, आवश्यक अनावश्यक लोगों की भीड़ पहुँचेगी तो वही दुर्दशा निजी अस्पतालों की भी होगी जैसी सरकारी अस्पतालों की है। एक बिन्दु और है सुप्रीम कोर्ट का वकील एक राय देने के दो लाख रुपये लेता है और पूरे मुकदमे के पचास लाख। एक सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सक यदि 500, 1500 या 5000 रू. फीस लेता है, जीवन खपाने के बाद, 70-80 वर्ष का हो जाने पर भी तो दर्द क्यों! क्या वह भगवान नहीं तो इन्सान भी नहीं है? कोचिंग सेन्टर में भी लाखों की फीस है उन पर रोक क्यों नहीं? यही हाल निजी प्रतिष्ठित स्कूलों, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय का है।

मुद्दा जन कल्याण की इच्छा का नहीं है, मुद्दा है वोट बटोरने का, सस्ती लोकप्रियता का, सत्ता व स्वर्ण की पिपासा का। क्या एक राजनीतिक दल, एक व्यक्ति ने सत्ता में रहने का पट्टा लिया हुआ है कि वह येन केन प्रकारेण अपने स्वार्थ हेतु सारी संस्थाएँ भ्रष्ट कर दे?

क्या ग्रामीण अंचल के हॉस्पिटल, उसके चिकित्सक तथा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अथवा क्षेत्र, देश, विदेश के प्रख्यात डॉक्टरों से व्यवहार व उपचार में कोई अंतर नहीं होगा।

केन्द्र व राज्य सरकारों ने धर्म के आधार पर और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के आधार पर सारा देश खण्ड-खण्ड करने का प्रयास किया है। आज जब केन्द्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' पर काम करना चाहती है तो राज्य सरकारें शिक्षा व शिक्षक की दुर्दशा कर चुकी हैं उसे 'बेचारा' बना चुकी है। राज्य सरकारें नहीं समझना चाहती कि "सचिव, वैद्य, गुरू' तीनी जो प्रिय बोलहें भय आस, राज, धर्म, तन, तीनि को होहि नास"। अधिकांश राजनेता व अधिकारी भ्रष्ट हो चुके, सचिव चापलूसी में लग गये, गुरू के ब्रह्मा, विष्णु, महेश होने के बजाय, चयन नियुक्ति स्थानान्तर के नाम पर वह निरीह हो गया। रहा 'चिकित्सक भगवान' उसके मान मर्दन की तैयारी है।

निजी चिकित्सकों, हॉस्पिटल आदि की हड़ताल चल रही है। सरकारी अस्पताल व उनके चिकित्सक भी समर्थन में हैं। शांति मार्च पर लाठियाँ बरसाई जा गई हैं। हठधर्मिता क्यों? क्या यह लोकतंत्र है? क्या एमरजेन्सी को परिभाषित नहीं किया जा सकता? क्या संवाद के माध्यम से समस्याओं को सुलझाया नहीं जा सकता? राइट टू हेल्थ लागू हो परंतु अव्यवस्था की नींव पर नहीं, व्यवस्था की कब्र पर नहीं। व्यवस्था, अनुशासन जन कल्याण आदि के दृष्टिमत ही राइट टू हेल्थ लागू हो। क्या सरकार समझेगी?

बड़े भाई की प्रबल इच्छा के कारण लेखक स्वयं डॉक्टर बनना चाहता था, परंतु अंक प्रतिशत कम होने से प्रवेश नहीं मिल पाया। लेखक की दूसरी व तीसरी पीढ़ी ने मिलाकर 8 व भाईयों के परिवार से 5 डॉक्टर याने कुल 13 डॉक्टर परिवार ने समाज को दिये हैं। आशय यह कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे डॉक्टर बनना चाहते थे, परंतु सर्वेक्षण के अनुसार पूर्व केन्द्रीय सत्ताओं एवं राज्यों की चिकित्सा रीति-नीति में डॉक्टरों की निरंतर उपेक्षा के कारण रूचि का प्रतिशत बहुत कम हुआ है। इसका प्रधान कारण यही है कि डॉक्टर को भगवान मानने वाले इस देश में डॉक्टर के परिश्रम, त्याग, बलिदान का कभी सही मूल्यांकन नहीं किया गया। क्या हमें ज्ञात नहीं कि कोरोना की अवधि में चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों के परिश्रम पूर्वक सेवा व अपने प्राणों की परवाह न कर इन वीर योद्धाओं ने कोरोना को परास्त किया। सैकड़ों ही नहीं हज़ारों चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मियों ने घर व बाहर तिरिस्कार सह कर भी अपने प्राणों का बलिदान किया। डॉक्टर को भगवान नहीं तो इन्सान तो समझिये अन्यथा समाज डॉक्टरों सेवा से वंचित रहेगा।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

भाजपा क्या डॉ. सतीश पूनिया को मजबूत करेगी?

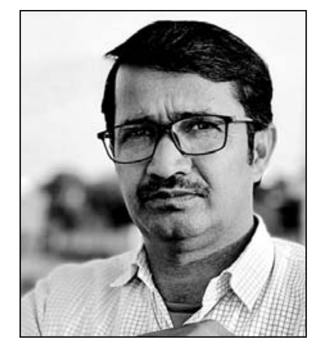

रामगोपाल जाट

भाजपा ने चार राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष बदले हैं। इनमें राजस्थान का अध्यक्ष बदलना सबसे अहम है, क्योंकि 6 महीने बाद भाजपा यहां पर चुनाव में जा रही है। राज्य में नवंबर-दिसंबर में चुनाव होंगे और उससे पहले भाजपा ने अपना प्रदेशाध्यक्ष बदलकर एक बड़ा दांव खेला है। सामान्य तौर पर माना तो यह जा रहा है कि भाजपा ने वसुंधरा राजे से गुटबाजी रोकने के लिये डॉ. सतीश पूनियां की जगह सीपी जोशी को अध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि, जो लोग इस बात से सहमत हैं, वो इस बात का शायद ही जवाब दें कि यही गुटबाजी बीते साढ़े तीन साल से जारी थी, तब अध्यक्ष क्यों नहीं बदला गया?

कुछ सियासी लोग यह भी दावा कर रहे हैं कि पिछले दिनों हुई ब्राह्मण महापंचायत के दबाव में आकर भाजपा ने ब्राह्मण चेहरे को अध्यक्ष बनाया है। ये ही लोग इस बात का जवाब नहीं देंगे कि पिछले दिनों ही जाट महाकुंभ में मांग करने से क्या जाट सीएम बनाया गया? ये वो लोग हैं, जो सोशल मीडिया पर राजनीति को केवल सुनते हैं, वहीं पढ़ते हैं और बिना दिमाग का इस्तेमाल किए लिख देते हैं या सार्वजनिक तौर पर बोल देते हैं। इस तरह के लोगों का राजनीति में गहरी समझ से कोई वास्ता नहीं है।

यह चर्चा आम रही है कि वसुंधरा राजे कभी भी सतीश पूनियां को फूटी आंख नहीं सुहाती हैं, लेकिन वसुंधरा की मर्जी के खिलाफ पार्टी आलाकमान ने सतीश पूनियां को अध्यक्ष बनाया तब क्या वसुंधरा ने विरोध नहीं किया होगा? क्या उसके बाद साढ़े तीन साल में भी विरोध नहीं किया? आखिर अब ही ऐसी क्या मजबूरी आई कि वसुंधरा राजे से गुटबाजी के कारण राजस्थान में अध्यक्ष बदल दिया गया? यह सवाल जरूर अनुत्तिरत है कि जब सतीश पूनियां को अध्यक्ष पद पर पार्टी ने एक्सटेंशन दे दिया था, तो इस तरह से बीच अचानक से सीपी जोशी को क्यों लाया गया है? इसका जवाब पार्टी की टॉप लीडरशिप के अलावा किसी को पता नहीं है। यहां तक कि भाजपा राजस्थान के विधायकों और अध्यक्ष रहे सतीश पूनियां को छोड़कर संगठन में बैठे लोगों के पास भी इसका जवाब नहीं होगा।

पिछले दिनों भाजपा ने राज्यसभा सांसदों के लिये दो कार्यकाल भी निर्धारित किए हैं। जो नेता बरसों से राज्यसभा में बिना मेहनत किए पार्टी के सहारे निर्वाचित होते रहे हैं और जनता से दूर रहते हैं, उनको भी अब लोकसभा चुनाव या फिर संबंधित राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ना होगा। इसी तरह की तैयारी लोकसभा सदस्यों के लिए भी की जा रही है, किंतु अभी इसपर निर्णय नहीं लिया गया है। इसको लोकसभा सदस्य की क्षेत्र में लोकप्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। फिर भी इस बात की संभावना है कि लोकसभा वालों पर भी लगातार चुनाव लड़ने से रोकने के लिये किसी तरह का निर्णय लिया जा सकता है। भाजपा ने इसको नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के तौर पर प्रचारित किया है। इसका यह भी मतलब हो सकता है कि 58 वर्ष के सतीश पूनियां के बजाए 11 साल छोटे 47 वर्षीय के सीपी जोशी को अध्यक्ष बनाकर वसुंधरा राजे गुट को साफ संकेत भी दिये गये हैं कि पार्टी युवाओं को आगे लाने का प्रयास कर रही है।

संगठन में लंबे अनुभव के हिसाब से सतीश पूनियां को केंद्र में जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है या फिर उनके लिए पार्टी ने कुछ ऐसा सोचा हो कि आने वाले समय में कहीं पर उनके अनुभव को काम लिया जा सके। वर्तमान में राज्य में सतीश पूनियां के लिए दो ही जगह बची हैं, जहां उनका जिम्मेदारी दी जा सकती है। पहला पद है नेता प्रतिपक्ष का, जहां से हटाकर कुछ समय पहले ही गुलाबचंद कटारिया असम का राज्यपाल बनाया गया है। इस जगह पर सबसे पहला दावा तो उपनेता के नाते राजेंद्र राठौड़ का बनता है, लेकिन अब सतीश पूनियां का नाम भी तेजी से लिया जा रहा है। राजेंद्र राठौड़ ने पार्टी के अंदरखाने एलओपी पर अपना दावा ठोक दिया है।

दूसरा पद है चुनाव अभियान समिति का संयोजक। इस पद को लेकर अध्यक्ष के पद की भांति ही वसुंधरा राजे भी ताकत लगा रही होंगी। चुनाव नजदीक आने के साथ ही चुनाव समिति संयोजक का पद भी राज्य में तीन टॉप पदों में से एक हो जाएगा। पिछले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सतीश पूनियां को सदस्यता अभियान समिति का संयोजक बनाया गया था। उस सफलता को देखते हुए कुछ समय बाद ही उनको अध्यक्ष बनाया गया था। इस बात की सबसे अधिक संभावना है कि सतीश पूनियां को चुनाव समिति का संयोजक बनाकर आलाकमान वसुंधरा राजे को संकेत दे सकता है कि उनको पार्टी के अनुसार चलना होगा, अब पार्टी उनके अनुसार नहीं चलेगी। यदि इस पद पर सतीश पूनियां को बिठाया जाता है तो फिर राज्य में अध्यक्ष, प्रभारी, संगठन महासचिव और चुनाव समिति का संयोजक चुनाव के दौरान सबसे पॉवरफुल होंगे, जो राज्य के अधिकांश टिकटों का निर्धारण करेंगे।

यह बात सबको पता है कि सतीश पूनियां का कार्यकाल दिसंबर में पूरा हो चुका था। इस हिसाब से वह तो पहले ही एक्सटेंशन पर चल रहे थे। इसलिये उनको हटाया जाना शब्द लिखना तकनीति रुप से गलत है। यह कह सकते हैं कि भाजपा ने प्रदेश का अध्यक्ष बदला है। हटाया जाना शब्द तभी लिखा जा सकता है कि जब किसी को हटाया गया हो और उसके स्थान रिक्त हो या कार्यकाल के बीच में ही दूसरा अध्यक्ष बना दिया गया हो।

अब सतीश पूनियां की चुनाव अभियान समिति संयोजक की संभावना सर्वाधिक है, लेकिन इस पद पर उनको नहीं लगाया जाता है तो फिर केंद्र में जनरल सेक्रेटरी जैसी कोई जिम्मेदारी दी जा सकती है। संगठन में सतीश पूनियां को बहुत लंबा अनुभव हो चुका है, जिसके कारण पार्टी उनके अनुभव का फायदा लेना चाहेगी। दूसरी बात यह है कि राज्य की सबसे बड़ी आबादी की नाराजगी से बचने के लिये भी पार्टी सतीश पूनियां को किसी पद पर रखना चाहेगी। राज्य में अभी चुनाव भी करीब 6 से 8 महीने बाद हैं, लेकिन सब गुटों द्वारा अपने अपने नेता को सीएम का चेहरा बनाया जा रहा है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समर्थक अब जरूर कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं, क्योंकि दो-दो बार उनकी पंसद के खिलाफ जाकर अध्यक्ष बनाये गये हैं। 2003 में उनको राजस्थान भेजा गया था, तब से लेकर 2018 के चुनाव तक वसुंधरा ही भाजपा और भाजपा ही वसुंधरा हुआ करती थीं, लेकिन माना जाता है कि सबसे पहले 2019 में सतीश पूनियां को अध्यक्ष बनाकर वसुंधरा राजे को कमजोर किया गया। इसके बाद वसुंधरा की तमाम नाराजगी को दरकिनार कर पूरे साढ़े तीन साल सतीश पूनियां ने संगठन को अपने हिसाब से रिडिजाइन किया, जिसमें वसुंधरा गुट के लोगों को जगह नहीं दी गई।

–रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

100 साल से अधिक पुरानी हेरिटेज नैरो गेज ट्रेन अब इतिहास बन जाएगी

धौलपुर (निस)। धौलपुर जिले के सैकड़ों गांव की लाइफ लाइन मानी जाने वाली नैरो गेज ट्रेन अब इतिहास बनने जा रही है। अंग्रेजों के टाइम की 100 साल से अधिक पुरानी ये हेरिटेज ट्रेन शुरुआत में धौलपुर के प्रसिद्ध लाल पत्थर की ढुलाई के लिए शुरू की गई थी, बाद में यह सवारी गाड़ी बन गई। और धीरे-धीरे यह सैकड़ों गांव के हजारों लोगों की लाइफ लाइन बनती चली गई। वर्तमान में लोग बाजार और अन्य गांव में आने जाने के लिए इस ट्रेन का उपयोग करते हैं। यहां तक कि लोग घर गृहस्ती का सामान और खेतों से पशुओं का चारा भी इसी ट्रेन से लेकर आते हैं। धौलपुर से बाड़ी व सरमथुरा होकर उत्तर प्रदेश के तांतपुर तक जाने वाली इस नैरो गेज ट्रेन को अब ब्रांड गेज में परिवर्तित किया जा रहा है। इसीलिए इसे 31 मार्च यानि आज से बंद किया जा रहा है। बंद करने के आदेश 2 दिन पूर्व जारी किए जा चुके हैं।

ऐसे में आज ट्रेन का अंतिम दिन था। जिसको लेकर जब रेल से सफर करने वाले स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी हुई तो वे मायूस हो गए, क्योंकि लोगों का करीब सवा सौ वर्ष का इतिहास व रिश्ता इससे जुड़ा है। ट्रेन से यात्रा करने वाले ज्यादातर लोगों का कहना है कि उन्हें इस ट्रेन के बंद होने का काफी दुख है। लेकिन खुशी इस बात की है कि यह मार्ग अब ब्रॉडगेज में परिवर्तित होने जा रहा है। ऐसे में आगामी समय में क्षेत्र का विकास तो होगा ही, लोगों को भी दूर तक जाने का एक नया रास्ता मिलेगा। ट्रेन बंद होने पर लोगों की भावनाएं समझने के लिए की धौलपुर से बाड़ी रेलवे स्टेशन तक अधिकारियों के साथ ट्रेन में सफर किया। जिसमें आखिरी सफर के कारण जगह जगह लोग ट्रेन की वीडियो बनाते और फोटो खींचते हुए दिखे। इसके अलावा लोगों ने ट्रेन के साथ सेल्फी भी ली। वही रास्ते में लोगों ने हाथ हिलाकर जगह-जगह ट्रेन का अभिवादन भी किया। वही ट्रेन के आखिरी सफर में धौलपुर जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल सहित अन्य अधिकारियों ने भी यात्रा की और इसका लुफ्त उठाया।

■ ट्रेन के आखिरी सफर का आम व खास ने जमकर लुत्फ उठाया

नैरो गेज ट्रेन का आखिरी दिन बाड़ी सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन का स्वागत किया गया।

जानकारों की माने तो यह राजस्थान की एकमात्र नैरो गेज ट्रेन है जो अब भी चल रही थी। अब यह भी इतिहास बनने जा रही है। क्योंकि धौलपुर से करौली तक ब्रॉडगेज लाइन स्वीकृत हुई है। जिसका कार्य चल रहा है। ऐसे में अधिकारियों द्वारा अब इस ट्रेन को बंद किया जा रहा है। जिससे कार्य में गति लाई जा सके। ये ट्रेन 1917 में शुरू हुई थी। जिसे धौलपुर स्टेट टाइम में तत्कालीन धौलपुर महाराज ने शुरू किया था।

जो अंग्रेजों से इसे लेकर आए थे। जिसके पीछे बंसी पहाड़पुर के पत्थर का परिवहन मुख्य वजह था। क्योंकि बंसी पहाड़पुर में जो लाल पत्थर और सफेद पत्थर निकलता है वह बहुत ही उच्च क्वालिटी का होता है। जिसको दूरस्थ स्थानों पर ले जाने के लिए यह ट्रेन शुरू की गई थी। जिसे जनता गाड़ी नाम दिया गया। नैरो गेज ट्रेन के बंद होने पर आज आखिरी दिन बाड़ी सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन का स्वागत किया गया। साथ में विदाई भी दी गई। इसके अलावा रेलवे के कई अधिकारी और कर्मचारियों ने भी इस ट्रेन में परिवार सहित यात्रा की और सफर का आनंद लिया। खास बात ये है कि अधिकांश अधिकारियों व कर्मचारियों की इस ट्रेन में यह यात्रा पहली व आखिरी यात्रा रही।

महावीर जी का आठ दिवसीय लक्खी मेला आज से

जयपुर/श्रीमहावीरजी। पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2622 वां जन्म कल्याणक महोत्सव (महावीर जयन्ती) पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आठ दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला शनिवार 01 अप्रैल से शुरू होगा।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि शनिवार 01 अप्रैल को मेले की स्थापना होगी , रविवार को पूजन,भजन, सामूहिक आरती व शास्त्र प्रवचन होंगे। सोमवार को महावीर जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें प्रातः कटला प्रांगण से प्रभातफेरी निकलेगी। कटला प्रांगण में झण्डारोहण के बाद जल यात्रा निकाली जायेगी। तत्पश्चात स्कूल में मोदक वितरण, अस्पताल में मरीजों को तथा हिण्डौन जेल में केदियों को फल वितरण किये जायेंगे। मंगलवार, 04 अप्रैल को वर्धमान विधान, सामूहिक पूजा, सामूहिक आरती, शास्त्र प्रवचन के बाद दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फारम एवर जयपुर द्वारा कटला पूर्वी पाण्डाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।इसी दिन सांस्कृतिक मंच पर रंगशाला एकेडमी इन्दौर द्वारा साधना मादावत महानाट्यय प्रस्तुति दी जाएगी। बुधवार, 05 अप्रैल को पूजन, भजन, सामूहिक आरती व शास्त्र प्रवचन के बाद रात्रि में कटला पूर्वी पाण्डाल में महिला जागृति संघ जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। सांस्कृतिक मंच पर वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य व लोकगीत कार्यक्रम गोरबंद की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

प्रचार प्रसार मुख्य संयोजक सुरेश सबलावत के अनुसार गुरुवार 06 अप्रैल को श्री वीर संगीत मण्डल जयपुर के सहयोग से सामूहिक पूजा की जाएगी। अपराह्न 4.00 बजे उप जिला कलेक्टर एवं प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष द्वारा मेला निरीक्षण किया जाएगा।

सायंकाल सामूहिक आरती के बाद श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सांगानेर सम्भाग द्वारा कटला पूर्वी पाण्डाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक मंच पर रात्रि 8.00 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का विशाल आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि वार्षिक मेले की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। मेले में जैन अजैन सभी लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होगें। गम्भीर नदी में मेले के लिए पाचना बांध से पानी छोड़ा जाएगा।

पांडाल, डेरा, छोलदारी व्यवस्था के चन्द्र प्रकाश जैन पहाड़ियां, विद्युत व्यवस्था के लिए प्रदीप कुमार जैन व नवीन बिल्टीवाला प्रदर्शनी व्यवस्था के लिए सुधीर कासलीवाल ,आयुष कासलीवाल व संजय जैन, सांस्कृतिक कार्यक्रम व ठाामीण खेलकूद के लिए मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कवि सम्मेलन के लिए विवेक काला, प्रकाशन व्यवस्था के लिए महेन्द्र कुमार पाटनी, भोजन व्यवस्था के लिए उमराव मल संघी तथा पूनमचंद बैनाडा, प्रचार प्रसार के लिए सुरेश सबलावत तथा विनोद जैन कोटखावदाको, स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए रुपिन काला,डॉ ज्ञान चन्द सोगानी, आवास के लिए प्रदीप कुमार जैन, सफाई व सौन्दर्यीकरण के लिए पदम कुमार जैन, दिव्यांग एवं असमर्थ सहायता शिविर के लिए अनिल पाटनी दीवान, जल व्यवस्था के लिए अनिल दीवान एवं देवेन्द्र मोहन कासलीवाल, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था के लिए शांति कुमार जैन, अनिल जैन एवं राजेश चौधरी को तथा वर्धमान विधान चौबीसी के लिए चन्द्र प्रकाश पहाड़ियां को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईटी व्यवस्था अभिषेक छाबड़ा, अशोक पाटनी, स्वयं सेवक व्यवस्था महेश काला तथा भानू कुमार छाबड़ा देखेंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 1 अप्रेल, 2023

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, अश्लेषा नक्षत्र रात्रि 4:48 तक, धृति योग रात्रि 2:43 तक, वणिज करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:48 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कामदा एकादशी है। भद्रा दिन 3:11 से रात्रि 4:20 तक रहेगी। रवियोग रात्रि 4:48 पर समाप्त होगा। लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:54 से 9:27 तक, चर 12:33 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 5:09 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:40

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मनःस्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्गित परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मीन
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 352 प्रभात जालोर, शनिवार 1 अप्रेल, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

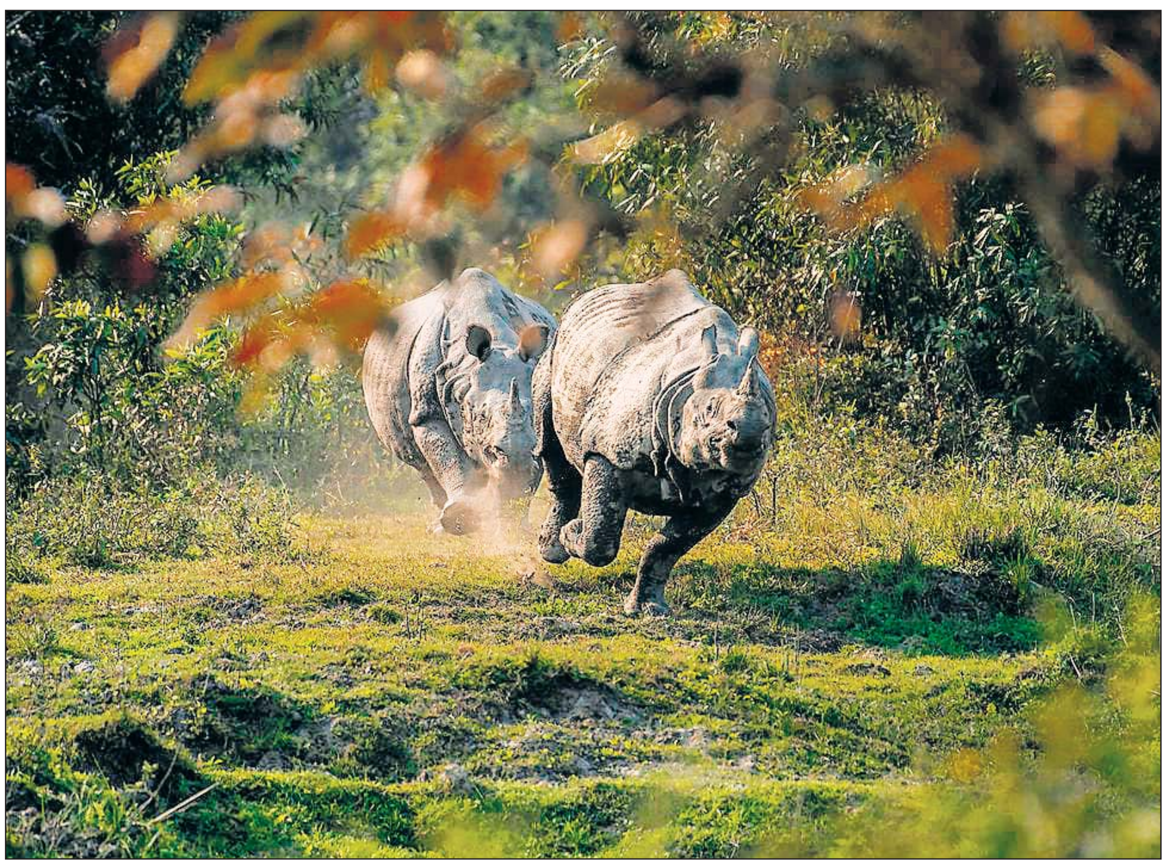

स्मिथसोनियन मैगज़ीन की 20 वीं वार्षिक फोटो प्रतिस्पर्धा के नतीजे घोषित हो गए हैं। प्रतिस्पर्धा में 190 देशों के 7000 फोटोग्राफर्स की 32,690 प्रविष्टियां शामिल की गईं। फाइनल लिस्ट में चुनी गई यहां प्रस्तुत तस्वीर काज़ीरंगा नैशनल पार्क की है। फोटोग्राफर प्रबीर कुमार दास ने कहा, ''लग रहा था जैसे जुरासिक पार्क का कोई दृश्य है, जिसमें टायरानसॉरस की जगह राइनो दौड़ रहे हैं।'' प्रबीर कुमार अपने ड्राइवर के साथ एक वाहन में काज़ीरंगा नैशनल पार्क में फोटोग्राफी करने के लिए गए थे। उन्होंने बताया, ''बड़ी स्पीड में एक दूसरे का पीछा करते दो राइनो मेरे कैमरा के फ्रेम में नज़र आए। वो दोनों बहुत खतरनाक तरीके से हमारी कार की तरफ आ रहे थे। ड्राइवर ने आत्म रक्षा के लिए कार को तुरंत रिवर्स किया। लेकिन तब तक मैंने कई खूबसूरत शॉट ले लिए।'' प्रबीर कुमार पेशे से कैमिस्ट्री टीचर हैं और फोटोग्राफी उनका प्रिय शौक है जो अब उनका जूनून बन गया है, खासतौर पर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी और काज़ीरंगा नैशनल पार्क उन्हें बेहद प्रिय है।

हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी घोषित करने से इंकार किया

हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि, याचिकाएं पढ़ कर यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि, डॉक्टर ''प्रोटैस्ट'' क्यों कर रहे हैं

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सकों की हड़ताल के खिलाफ जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि वे डॉक्टरों के मुद्दे को सुनने से पहले उनकी हड़ताल को गैर कानूनी करार देने जैसा कोई आदेश पारित नहीं करेंगे। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव और न्यायाधीश अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पी.सी.जैन और प्रमोद सिंह द्वारा दायर दो पृथक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महाधिवक्ता अगली तारीख तक डॉक्टरों के संगठन और राज्य सरकार तथा उसके मंत्रियों के बीच हुई बातचीत का पूर्ण लिखित ब्यौरा अदालत के समक्ष रखें। अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की राजस्थान इकाई को डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिये इस मामले में नोटिस जारी किया। इसके साथ ही इस मामले की अगली तारीख 11 अप्रैल तय की है।

- **सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को कहा कि, कुछ ही लोग इस ''प्रोटैस्ट'' को उकसा रहे हैं और उन्होंने कुछ सरकारी डॉक्टरों को भी भड़काया है। उन्होंने आगे कहा कि, सरकार ने डॉक्टरों से बातचीत करके ही ''राइट-टू-हैल्थ'' बिल को विधानसभा में पेश किया था।**
- **इस पर न्यायालय ने यहां महाधिवक्ता को कहा कि, वे अदालत के समक्ष डॉक्टरों और सरकार के बीच हुई बातचीत का विस्तृत ब्यौरा पेश करें।**
- **अदालत ने ''इंडियन मैडिकल एसोसिएशन'' को भी डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिए नोटिस भेजा है।**

सुनवाई की शुरूआत में अदालत ने यह हैरानी जताई कि अधिवक्ताओं ने डॉक्टरों की हड़ताल के खिलाफ याचिका दायर की थी जबकि कुछ दिन पहले ही सभी वकील हड़ताल पर उतरे हुए थे। अदालत ने यह टिप्पणी की कि वकीलों की भी जिम्मेदारी थी कि वह न्याय प्रणाली के कार्य में बाधा उत्पन्न ना करें बल्कि अदालतों को उनका काम करने में मदद करें, ''इस नजरिये से वकीलों की हड़ताल वैध कैसे हो सकती है?'' अदालत ने एक अधिवक्ता को यह तक कहा कि वह अपना काला कोट उतारें क्योंकि वह निजी तौर पर जनहित याचिका कर रहे हैं, वकील के तौर पर नहीं।

मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता पी.सी.जैन ने कहा कि तमिलनाडु में भी सरकारी डॉक्टर जब हड़ताल पर उतरे थे तब न्यायालय ने आदेश दिये थे कि सरकार और डॉक्टर मिलकर समाधान खोजे और तब तक हड़ताल को लंबित रखें। अधिवक्ता पी.सी.जैन ने कहा कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है इसलिये अदालत को इस हड़ताल को रोकना होगा। यहां उल्लेखनीय है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री का अकैडमिक रिकॉर्ड आर.टी.आई. में नहीं बताया जा सकता'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री का ब्यौरा देने के लिए गुजरात युनिवर्सिटी को दिए गए आदेश को गुजरात हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया और अपने आदेश को न्यायोचित ठहराते हुए

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने आर.टी.आई. के तहत प्र.मंत्री मोदी की डिग्री का ब्यौरा मांगा था, जिसे ना केवल गुजरात हाई कोर्ट ने ठुकरा दिया, उल्टे केजरीवाल पर 25,000 रू. का जुर्माना भी लगा दिया।**

कहा कि इस सूचना की कोई आवश्यकता नहीं हैं, यही नहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जुर्माना लगा दिया तथा कहा कि वे चार सप्ताह के भीतर गुजरात स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी में यह राशि जमा करवाएं।

आदेश और जुर्माने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केजरीवाल ने ट्वीट किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस बार फिर रामनवमी के जुलूस के दौरान हिंसक घटनाएँ व तोड़-फोड़ हुई कोलकाता में

इन घटनाओं के दौरान मु.मंत्री ममता बनर्जी रैड रोड पर केन्द्र के पक्षपात पूर्ण रवैये के खिलाफ धरने पर बैठी थीं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। बंगाल में रामनवमी महोत्सव के दौरान ममता बनर्जी और बंगाल भाजपा के बीच भारी हिंसा हुई। कई जगहों पर रामनवमी शोभा यात्रा में हिंदु व मुसलमानों के बीच दंगा हुआ।

ममता का गुस्सा सीधे तौर पर सुभेन्दु अधिकारी पर था। तृणमूल से भाजपा में गए इस तेज तर्रार नेता ने ममता बनर्जी के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है और पार्टी के कई नेताओं पर भारी धन हड़पने के आरोप लगाए हैं।

रामनवमी पर जब प्रदेश भर हिंसा का तांडव चल रहा था तब मुख्यमंत्री केन्द्र पर भेदभाव का आरोप लगाकर रैड रोड पर धरना दे रहीं थीं। बंगाल में इन दिनों अकर्मण्यता छाई हुई है। मुख्यमंत्री के इस गैर जिम्मेदाराना व्यवहार पर जनता में भारी नाराजगी है।

गत विधानसभा चुनाव मे नंदीग्राम से सीधे मुकाबले में सुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हरा दिया था।

- **बंगाल में, केन्द्रीय सरकार के बंगाल के साथ सौतेले बर्ताव के विरोध में धरने-प्रदर्शन करने की पुरानी परम्परा है।**
- **पहले साम्यवादी पार्टियाँ व वामपंथी मोर्चा ये आयोजन करते थे और अब तृणमूल कांग्रेस ने यह जिम्मेवारी संभाल ली है।**
- **तृणमूल पार्टी के इन धरने-प्रदर्शन का मुख्य टारगैट सुवेन्दु अधिकारी हैं। ममता बनर्जी का आरोप है, हिंसा से पूर्व अधिकारी की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई थी।**
- **अमित शाह ने राज्यपाल को फोन करके रामनवमी पर हुई हिंसक व तोड़-फोड़ की घटनाओं की जानकारी मांगी। चर्चा है, राज्यपाल दो-तीन दिन में दंगाग्रस्त क्षेत्र का मुआयना करने निकलेंगे।**

भाजपा और तृणमूल दोनों ने रामनवमी की शोभा यात्रा में हिंसक तांडव कर रहे अराजक तत्वों के वीडियो जारी किए हैं। तृणमूल ने हथियार लिए लोग दिखाए। शोभा यात्रा जब मुस्लिम बहुल इलाके में पहुंची तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बम ब्लास्ट मामले में हाई कोर्ट में सरकार ने प्रभावी पैरवी नहीं की'

जयपुर, 31 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने मीडिया से संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर बम ब्लास्ट के मामले में हाईकोर्ट में सरकार ने प्रभावी पैरवी नहीं की, जबकि कांग्रेस

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने मीडिया को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि, इस केस में तो सरकार द्वारा नियुक्त अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने कई दिनों तक पैरवी नहीं की, सवाल उठता है कि, उन्होंने किसके कहने पर ऐसा किया।**

सरकार में संकट में आती हैं तो अपने को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के बड़े-बड़े वकील खड़े करती हैं। इस केस में तो सरकार द्वारा नियुक्त अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने कई दिनों तक पैरवी नहीं की, सवाल उठता है ऐसा उन्होंने किसके कहने पर किया।

सी.पी. जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा व कांग्रेस में स्पर्धा है कौन कुमारास्वामी के नजदीक पहुंचेगा

जद (एस) के नेता कुमारास्वामी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा, दोनों पार्टियाँ अपने एजेन्ट भेज रहीं हैं उनके पास

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। कर्नाटक में मई को राज्य विधानसभा के चुनावों के लिए मतदान होना है। चुनाव में दो प्रमुख दावेदार हैं, सत्तारूढ़ भाजपा और उसे चुनौती दे रही कांग्रेस और दोनों ही जनता दल (सैकुलर) और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को रिझाने में लगे हैं। कर्नाटक की राजनीति पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौडा के पुत्र एच.डी. कुमारस्वामी का इतना ज्यादा महत्व है। अकेले दम पर तो यह पार्टी कर्नाटक विधानसभा की 224 में 40 सीटें भी नहीं जीत सकती है पर अभी भी उनमें इतना दम है कि 25 से 40 सीटें जीतकर किंग मेकर तो बन ही सकती हैं। यह है कुमारास्वामी की ताकत, जिसने 2018 के आम चुनावों में भाजपा, सरकार बनाने का अवसर छीन लिया था। उस समय कांग्रेस ने जल्दी कदम उठाया और कुमारास्वामी को गठबंधन सरकार बनाने के लिए समर्थन दे दिया हालांकि भाजपा के ऑपरेशन ''लोटस'' की वजह से यह सरकार 14 माह में ही गिर गई।

- **यहां यह उल्लेखनीय है कि, कुमारास्वामी दोनों पार्टियों के साथ अलग-अलग समय हाथ मिलाकर सरकार बना चुके हैं कर्नाटक में, 2006 में भाजपा के साथ तथा 2018 में कांग्रेस के साथ।**
- **इस बार भी उनको दोनों पार्टियाँ लुभाने में लगी हुई हैं। क्योंकि सर्वे के अनुसार दोनों पार्टियाँ चुनाव के बाद पर्याप्त विधायक जिता कर नहीं ला पायेंगी, अपने दम पर सरकार बनाने के लिये। अतः कुमारास्वामी अपने 25 से 40 विधायकों के जोर पर एक बार फिर ''किंगमेकर'' बनने की स्थिति में हैं।**

इस बार भी कुमारास्वामी आत्मविश्वास से भरे हुए नज़र आ रहे हैं कि वे किंग मेकर के रूप में उभरेंगे। लेकिन वे सिर्फ किंग मेकर नहीं बल्कि खुद किंग बनना चाहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारास्वामी ने दावा किया है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही जद (एस) के सम्पर्क में है, हालांकि भाजपा व कांग्रेस दोनों ने ही इस दावे का जोरदार खंडन किया है।

लेकिन एक बात छुपाई जा रही है कि कांग्रेस के आन्तरिक सर्वे से संकेत मिला है कि इसे बहुमत से कम सीटें मिलेगी और पार्टी को सरकार बनाने के लिए कुमारास्वामी की जरूरत पड़ेगी। भाजपा की भी सीटें कम रहेगी और कुमारास्वामी दोनों से हाथ मिलाने को तैयार हैं।

कुमारास्वामी ने मीडिया कॉन्फ्रैंस मे कहा कि, दोनों पार्टियां चिंतित हैं दोनों के मध्यस्थ आए थे। वे क्यों आए यह कोई भी समझ सकता है। क्योंकि जद (एस) की ताकत जनता के आशीर्वाद से दिनों दिन बढ़ रही है। दोनों दलों के बीच जद (एस) का भरोसा जीतने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में ट्रम्प व भारत में राहुल गांधी चुनाव नहीं लड़ पायेंगे?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। यह निःसंदेह शासन के लोकतांत्रिक प्रारूप का एक टैस्ट है। अब अमेरिका और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत पर सारी दुनिया की नज़र है। क्योंकि इन देशों में प्रमुख राजनीतिक विपक्षियों पर अभियोग चल रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर उनके वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान एक एडल्ट स्टार को अपना मुंह बंद रखने को लेकर धन देने का आरोपी बनाया गया है और राहुल गांधी के खिलाफ ''मोदी'' सरनेम के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को लेकर एक आपराधिक मानहानि केस में दोषी ठहराया गया। उन्हें अब लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराया जा चुका है।

वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर न्यूयॉर्क की एक ग्रैण्ड जूरी ने एक एडल्ट स्टार को अपना मुंह बंद रखने के लिए धन देने को लेकर अभियोग चलाया था। ट्रम्प आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति थे। ग्रैण्ड जूरी ट्रम्प द्वारा दो महिलाओं को दिए गए धन की जांच कर रही थी। इन दोनों महिलाओं ने दावा किया था कि ट्रम्प ने उनके साथ वर्ष 2016 में जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुने गए थे, यौन संबंध बनाए थे। उसके बाद ही उनके द्वारा किए गए भुगतान के तथ्य सार्वजनिक हुए थे और जब ट्रम्प वाइट हाउस में सत्ता संभाले हुए थे, तब शपथ सहित दिए गए बयानों में और तथ्य सामने आए।

पूर्व राष्ट्रपति ने इन आरोपों के लिए कहा कि ''यह राजनीतिक उत्पीड़न है और इतिहास में सर्वोच्च स्तर का चुनावी हस्तक्षेप है।'' ट्रम्प ने धमकी दी

- **अमेरिका में ट्रम्प पर दो ''सैक्स वकर्स'' को चुप रहने के लिए पैसा देने का आरोप है, यह आरोप सिद्ध हो जाता है तो ट्रम्प राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने से वंचित किये जा सकते हैं।**
- **राहुल गांधी को मानहानि करने का दोषी होने पर चुनाव लड़ने से वंचित किया गया है।**
- **इन दोनों नेताओं को चुनाव लड़ने से रोकना या ना रोकना, प्रजातंत्र के लिए ''एसिड टैस्ट'' है।**

है कि इस केस में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया तो भयंकर मौत और तबाही होगी। यू.एस.ए. टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने यह भी कहा है कि उन पर अभियोग चलाए जाए, तब भी वह वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद की अपनी उम्मीदवारी का त्याग नहीं करेंगे।

ट्रम्प की अटॉर्नी सूसन नैकेलस और जोसफ टैकोपीना ने पुष्टि की कि ''राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ अभियोग लगाया गया है, उन्होंने आगे कहा कि ''उन्होंने आगे कहा कि ''उन्होंने कोई अपराध नहीं किया।'' इन अटॉर्नीज़ ने एक संक्षिप्त लिखित बयान में कहा कि ''हम इस राजनीतिक उत्पीड़न के विरूद्ध अदालत में जोर शोर से लड़ेंगे।

''कथित राजनीतिक उत्पीड़न और इतिहास में सर्वोच्च स्तर के चुनावी हस्तक्षेप पर प्रहार करते हुए ट्रम्प ने एक भारी भरकम बयान जारी किया।''

ट्रम्प ने आक्षेप युक्त एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि जून 2015, जब से उन्होंने स्वयं के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की घोषणा की थी, डैमोक्रेट्स व अन्य तभी से उन्हें फंसाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में रूस के चुनावी हस्तक्षेप और राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दो महाभियोगों सहित पुरानी कई शृंखलाबद्ध जांचों का हवाला दिया।

ट्रम्प ने दावे से कहा कि ''अब उन्होंने एक बिल्कुल ही निर्दोष व्यक्ति पर चुनावी हस्तक्षेप के आरोप में अभियोग चलाकर एक अकल्पनीय कार्य किया है। हमारे देश के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं किया गया।''

ट्रम्प ने मैनहटन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग की भी यह कहते हुए भर्त्सना की कि वह बिना किसी साक्ष्य के राष्ट्रपति जो बाइडन का घिनौना काम कर रहे हैं।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि इस अभियोजन का बाइडन और डैमोक्रेट्स पर ही उल्टा असर होगा और वह स्वयं किसी भी सूरत में वर्ष 2024 का राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे।

पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पैन्स ने कहा कि इस अभियोजन में एक राजनीतिक उत्पीड़न की बू आती है। पैन्स ने सी.एन.एन. चैनल पर वुल्फ़ ब्लिट्ज़र को बताया कि ''मैं समझता हूँ कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ इलैक्शन कैम्पेन मुद्दे पर अभूतपूर्व अभियोजन एक अपमान है और अमेरिका के लाखों लोगों को ऐसा लगता है कि यह एक राजनीतिक उत्पीड़न के अलावा कुछ नहीं है।''

सीनेट के मैजोरिटी लीडर चक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें बढ़ीं

नई दिल्ली, 31 मार्च (वार्ता)। सरकार ने राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सुकन्या समृद्धि खाता योजना, किसान विकास पत्र और मासिक आय खाता स्कीम जैसी लघु बचत योजनाओं पर ब्याज पर दरों में

- **सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर में 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक वर्ष की एफ.डी. पर ब्याज को 6.6 से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया गया है।**

0.70 प्रतिशत तक की बढोतरी कर दी है जबकि जन भविष्य निधि स्कीम की ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा इस संबंध में जारी आधिकारिक परिपत्र के अनुसार एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर में गिरे ओले, श्रीडूंगरगढ़ में खेतों में सफेद चादर बिछी

पुनंदलसर गांव से चार किलोमीटर तक ओलों की चादर

बीकानेर, (कासं)। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी बीकानेर के कई हिस्सों में बारिश हुई है। वहीं, श्रीडूंगरगढ़ में शुक्रवार को जमकर ओलावृष्टि हुई। खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। इससे फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

श्रीडूंगरगढ़ के पुदंलसर, सालासर, दुसारणा की रोही में ओले गिरे। कई इलाकों में चारों तरफ ओले ही ओवे नजर आई। बर्बाद फसलों को देखकर किसान मायूस हो गए। उन्हें अब उम्मीद और सहारा केवल राज से ही शेष रहा है। पुनंदलसर गांव से 4 किलोमीटर तक आथुनी रोही में खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। किसानों ने बताया- फसल को भारी नुकसान हुआ है। सरसों और चने की फसल लगभग बर्बाद हो गई है। सालासर की रोही में भी ओलावृष्टि हुई है।

सिंचित किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। गांव दुसारणा में सरसों की फसल को काफी नुकसान हो रहा है। ओलावृष्टि के चलते बीकानेर जिले में कई जगह नुकसान हो चुका है। लूणकरनसर के दर्जनभर गांवों में पिछले एक महीने में तीन बार ओलावृष्टि हो चुकी है। लूणकरनसर के साथ महाजन, खाजूवाला, अरजनसर और अब श्रीडूंगरगढ़ में भी नुकसान हो चुका है।

ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

नरैना, (निसं)। बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खेतों में पड़ी कटी हुई फसलों को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नरैना व भरतोलाव में बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की अच्छी फसल के मंसूबों पर पानी फेर दिया। किसान गौरीशंकर मालू,मामदीन खां सिलार, रामप्रसाद बागड़ा, सुल्तान अगवान, इस्लाम मिलावत,बद्री बावरिया ने बताया कि खलिहानों में पड़ी सरसों की फसल सहित खेतों में खड़ी व फसल कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल को बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खासा नुकसान हुआ है।

आफत की बारिश, किसान त्रस्त

फागी क्षेत्र में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

फागी, (निसं)। कस्बे एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र में आफत की बारिश बरसी, जिससे अन्नदाताओं के चेहरे पर मायूसी छा गयी। दो दिन से क्षेत्र में हो रही बारिश से खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ तो काटी गयी फसलें खेतों भरे पानी में तैरती नजर आयी।

फागी कस्बे से लगे ग्राम लसाडिया एवं आसपास ओलों की बारिश ने किसानों रूला दिया। तैयार फसल चौपट होने से किसान ठगा सा महसूस करने लगा। लसाडिया के किसान दुर्गासिंह ने कहा कि खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, आखिर दोष भी दे तो किसे। वहीं दूसरी ओर किसान छोटू मानहाला का कहना है कि दो दिन से क्षेत्र में हो रही हल्की तो कहीं भारी बारिश से आमजन त्रस्त एवं ठगा सा महसूस करने लगा है।

कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर 30 मार्च तक सक्रिय रहने के आसार थे, मगर उसका असर आज भी देखने को मिला। प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश हुई। बूंदाबांदी बाद में कहीं कहीं मूलसाधार में तब्दील हो गई। सडक़ों पर पानी बहने के साथ घरों में भी परनालें शुरू हो गई। बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कट चुके खाद्यानों को नुकसान होने की प्रबल संभावना है। होली पर फसलें कटी है जोकि खेतों में अब भी बिछी पड़ी है। शनिवार से विक्षोभ का असर खत्म होने पर फिर से तेज धूप खिलने के साथ गर्मी का असर बढ़ेगा।

मौसम विभाग ने प्रदेश पर 29 से 31 मार्च तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की थी। जोधपुर संभाग के जोधपुर, जैसलमेर में तेज बारिश के आसार जताए थे। पिछले दो दिनों से मारवाड़ पर बादलों की आवक बनी हुई थी। आज सुबह तक तो तेज धूप खिलीं रही। मगर दोपहर एक बजे के बाद अचानक से आसमां काली घटाओं में घिरने लगा। बूंदाबांदी से शहर में छितराई बारिश आरंभ हो गई।

झुंझुनूं। जिलेभर में बदले मौसम के साथ बारिश और ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के किसानों के चेहरे पर शिकन नजर आ रही है। गेहूं की फसल कटाई की जा रही हैं और कई जगह लगभग काट कर खेतों में रखी हुई हैं। जिसको बारिश और ओलावृष्टि ने प्रभावित किया है। बारिश की आशंका के चलते निकटवर्ती गांव सोती में एक खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को बारिश से बचाने के लिए किसान अजय ने तिरपाल लगाकर कुछ इस तरह जतन किया।

तेज बरसात के साथ ओले गिरे

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अचल में बरसात का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। कई स्थानों पर तेज बरसात के साथ ओले गिरे। बरसात व ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ है। दोपहर में आसमान में बादलों की आवाजाही के कारण धूप-छांव का खेल शुरू हुआ। इसके बाद काले बादलों के आने से दिन में अंधेरा सा हो गया और बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ। जो चंद मिनटों में रिमझिम व तेज बरसात में तब्दील हो गया। शहर में करीब 20 मिनट बरसात का दौर चला। इसके बाद आसमान एक बार फिर साफ हो गया और धूप खिली। जिले के मंडावा कस्बे में भी तेज बरसात हुई। कस्बे में बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे बाजार सहित लोगों के घरों की छत व गलियों में ओलों की चादर बिछ गई। बरसात के कारण खेतों में काटकर रखी फसल को नुकसान हुआ। किसान ओलों व बरसात के बीच ही फसल बचाने का जतन करते रहे।

मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े:- इधर, मौसम के बार-बार बदलने के कारण मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ गए है। निजी चिकित्सालयों के चिक्तिसकों की राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में हड़ताल के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों की कतार लग रही है। अस्पतालों में ज्यादातर सर्दी, खांसी व बुखार के मरीज पहुंच रहे है। सरकारी अस्पताल में आउटडोर पहले की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

खेत बने दरिया, किसान हुए मायूस

पाटन, (निसं)। किसानों की फसल लगभग पक कर तैयार खड़ी है तथा चने, सरसों एवं कई जगहों पर गेहूं की कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बेमौसम की बारिश ने किसानों को रुला दिया है वहीं खेत भी पानी के दरिया बन चुके हैं। अधिकांश फसल पहले अत्यधिक ठंड में खराब हो चुकी थी। रही सही कसर चैत्र माह में लगातार बारिश कर खराब कर दी है।

चैत्र मास के समापन पर व वैशाख लगते लगते लगभग किसान अपनी फसल की कटाई कर लेते हैं परंतु इस वर्ष तो मानो कुदरत ने किसानों पर कहर ही ढा दिया है। किसानों के खेतों में कटी हुई सरसों पड़ी है तो कई खेतों में कटे हुए चने पड़े हैं, गेहूं की फसल पक कर खड़ी हुई है परंतु बारिश और ओलावृष्टि से अधिकांश फसल चौपट हो चुकी है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को जो नुकसान हुआ है उसके आंसू पोछने वाला भी कोई नहीं है। सरकार ने अत्यधिक ठंड में खराब हुई सरसों की फसल का मुआवजा देने का वायदा तो किया है लेकिन क्या इस बारिश और ओलावृष्टि का मुआवजा सरकार दे पाएगी।

थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा में ओले गिरे

अलवर, (निसं)। अलवर के थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा के आसपास शुक्रवार दोपहर बाद 30 मिनट तक ओले गिरे। थानागाजी में सरिस्का के पास ओलों से दूर तक धरती सफेद हो गई। खेतों में खड़ी फसल चौपट हो गई है, किसानों को मोटा नुकसान हो गया। 7 दिन पहले अलवर टहला, राजगढ क्षेत्र में ओलों से पूरी फसल चौपट हो चुकी है। अब बालेटा-मालाखेडा के आसपास कई किलोमीटर में ओले बिछ गए। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बालेटा के किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल चौपट हो गई। सरसों की कटाई हो चुकीथी, लेकिन सरसों पूरी तरह चौपट हो गई। यहां किसानों को मोटा नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए। तुरंत गिरदावर रिपोर्ट कराकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। ताकि उनको कुछ राहत मिल सके।

तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में बीती रात्रि से मौसम बदला रहा है और रात्रि को तेज हवाओं के साथ बैमौसम बारिश हुई तो शुक्रवार को दोपहर बाद बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश हुई।

जिला मुख्यालय पर बीती रात्रि को अचानक हवाएं चलना शुरु हो गई और उसके साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया, अचानक बारिश का दौर शुरु होने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई और बारिश के चलते खेतों में खड़ी व कटी हुई पड़ी गेंहू, चने की फसलों को नुकसान हुआ। वहीं बारिश के चलते रामनवमी के साथ शादी ब्याह का मजा किरकिरा हो गया। शादी ब्याह के आयोजकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं शुक्रवार को सुबह धूप निकलने के बाद दोपहर बाद मौसम बदल गया और बादल छाने के साथ गर्जना के साथ हल्की बारिश हुई। बैमौसम बारिश का दौर चलने से किसानों की पकी पकाई फसलों को नुकसान हुआ।

कटी फसलों को हुआ नुकसान

खिरोड़, (निसं)। क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को तेज बरसात हुई। जिससे खेतों में कटी कटाई बड़ी फसल में नुकसान हुआ। फसल में नुकसान होने से किसान निराश नजर आने लगे हैं।

क्षेत्र के कुछ इलाके में चने के आकार के ओले भी गिरे। किसान सांवरमल गिला ने बताया कि क्षेत्र की कैमरी ढाणी एवं पास पड़ौस के इलाके में चने के आकार के ओले गिरने से गेहूं चने आदि की फसल में काफी नुकसान हुआ है।

ओले गिरने से खेतों में फसल को नुकसान होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। किसानों ने प्रशासन से बरसात ओलों से नष्ट हुई फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बे बंद रहे, आमरण अनशन 11 दिन से जारी

मालपुरा को जिला बनाने की मांग

जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने 11 दिन से अनशन पर बैठे युवाओं से समझाइश की।

■ अनशनकारी युवाओं से मिले पूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र व्यास व विधायक कन्हैयालाल एवं पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच कोर कमेटी के बैनर तले 13 दिन से चल रहे जनआंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बा पूर्ण रूप से बंद रहा। व्यापारी व ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंप 5 हजार से अधिक हस्ताक्षर किये।

जिला बनाओ कोर कमेटी के प्रतिनिधि मंडल में शामिल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष व सहवृत्त पार्षद प्रेमप्रकाश सैनी, कन्हैयालाल सैनी, गोपाल गुर्जर व महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगरपालिका पार्षदों ने शुक्रवार को अजमेर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कोर कमेटी का मांग पत्र सौंप मालपुरा को जिला बनाने की मांग करते हुए जिला बनने के तथ्यात्मक दस्तावेजों की रिपोर्ट सौंपी।

खादी भंडार सभागार में डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल व भैरू सिंह शेखावत ने नवीन जिले बनाने से पहले भौगोलिक व राजस्व सहित सभी पहलुओं पर मंथन कर बिना राजनैतिक दबाव के जिले बनाये थे। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत ने नवीन जिलों के गठन के मापदण्डों को नजरअंदाज कर 19 जिलों की घोषणा कर राजस्थान में जनता को आंदोलन का रास्ता दिखाया है। साथ ही व्यास ने बताया कि वर्ष 1947 में आजादी के बाद जयपुर जिला बोर्ड एक्ट कानून लागू कर चार जिलों का गठन करते हुए सवाई जयपुर, झुंझनु, मालपुरा व सवाईमाधोपुर को जिला बनाया गया था। लेकिन इस दौरान रियासतों के चल रहे विलयकरण के चलते चारों जिलों को गठन पर पुनर्विचार के लिए 22 जुलाई 1950 को एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अपनी रिपोर्ट तीन साल में पूरी कर सौंपने के बाद जिलों के पुर्नगठन में टोंक को जिला बना मालपुरा को कमिश्नरी बनाया गया।

कमेटी व सरकार की इस रिपोर्ट व जिलों के गठन में मालपुरा की हुई अनदेखी पर मदन सिंह वगैरह ने बनाम कलेक्टर सीकर के राजस्थान हाईकोर्ट में 16 अप्रेल 1953 को वाद दायर कर मालपुरा को ही जिला बनाने की मांग की थी। लेकिन 76 साल पूर्ण हो जाने के बाद भी जिला मुख्यालय की सभी सुविधा व मापदण्ड पूरे होने के बावजूद मालपुरा को जिला नहीं बनाया गया। इसी का परिणाम है कि आज मालपुरा में बच्चा-बच्चा शहर से गांव-ढाणी तक आंदोलन कर रहा है।

विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने जनप्रतिनिधियों के साथ एसडीएम आवास के सामने तीन दिन से आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान व 11 दिन से आमरण अनशन एवं तीन दिन से मौन व्रत लिये धरना व अनशन पर बैठे स्वप्रिल भडाणा, कमलेश सैनी, प्रधान जाट हिन्दु, के धरना स्थल पर पहुंच समझाईश का प्रयास करते हुए कहा कि जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूर्ण रखते हुए 76 साल से मालपुरा को जिला बनाने की मांग उठ रही व क्षैत्रवासियों के अधिकारो की अनदेखी कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से 9 माह पूर्व चुनावी कार्ड खेलते हुए रामलुभाया कमेटी की तथ्यात्मक रिपोर्ट को नजर अंदाज कर अपने चहेतों को राजनैतिक लाभ पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर की दूदू को जिला बना दिया। इतना ही नही नवीन जिले बनाने के लिए रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाने के बाद डॉ. रघु शर्मा ने केकडी को जिला बनाने का प्रस्ताव रखने के बावजूद सीएम ने केकडी को भी जिला बना दिया, जो कि नैतिक व कानून तौर पर गलत है।

ऐसे मे मालपुरा को जिला बनाने के लिए शुरू किया गया यह आंदोलन लम्बा चलेगा। तीनों ही जनप्रतिनिधियों व शहर के प्रबुद्धजनों ने अनशनकारियों से अनशन समाप्त कर धरना प्रदर्शन सहित अन्य आंदोलन के जरिए अपने अधिकारों की लडाई लडने का प्रस्ताव रखा। जिसे तीनों अनशनकारी युवकों ने अस्वीकार कर राज्य सरकार अथवा रामलुभाया कमेटी की घोषणा अथवा आश्वासन के बाद ही अनशन तोड़ने का अपना निर्णय सुना मौन व्रत ले लिया। डॉ. व्यास ने आमजन से अपील करते हुए शनिवार को 11 बजे धरना स्थल पहुंच अनशनकारियों का अनशन समाप्त करने की कि अपील करें।

मासूम से दुष्कर्म मामले में मृत्युदंड की सजा

चित्तौड़गढ़, (निसं)। जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में करीब एक वर्ष पूर्व ढाई साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या करने और शव को कुएं में फेंकने के मामले में पोक्सो कोर्ट- चित्तौड़गढ़ क्रमांक प्रथम के न्यायाधीश ने शुक्रवार शाम को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अभियुक्त को दुष्कर्म और हत्या का दोषी माना है तथा उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई है। वारदात के करीब 11 माह बाद कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है।

विशेष लोक अभियोजक पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ शोभालाल जाट ने बताया कि 21 अप्रैल 2022 को बस्सी थाना क्षेत्र में यह वारदात हुई थी। इसमें विवाह समारोह में अपनी मां के साथ आई एक ढाई साल की मासूम को अभियुक्त उठा कर ले गया और दुष्कर्म के बाद गला दबा कर उसकी हत्या कर दी तथा शव को कुएं में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस ने बस्सी थाने पर 68/2022 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया और अनुसंधान शुरू किया। इस मामले में अभियुक्त भीलवाड़ा जिले के बिगोद थाना क्षेत्र में आने वाले किशनपुरा गांव निवासी रमेश पुत्र नानूराम धाकड को गिरफ्तार किया। पुलिस के उच्च अधिकारियों के आदेश पर तथा घटना की गंभीरता को देखते हुए इस प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम में लिया गया।

इस मामले में अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहना खानम की ओर से किया गया। पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। इस मामले में पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ क्रमांक-एक के न्यायाधीश ने अभियुक्त को दोषी पाया और शुक्रवार को सजा सुनाई है।अभियुक्त को चार अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई, जिसमें मुख्य रुप से धारा 302 में मृत्युदंड की सजा सुनाई। प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में 23 गवाह और 90 दस्तावेज के अलावा 14 आर्टिकल पेश किए। अभियुक्त को ढाई साल के बच्चे का लिंग काटने के मामले में भी दोषी पाया गया। अभियुक्त को सजा सुनाने के दौरान न्यायालय परिसर में हलचल भी देखने को मिली।

प्रहराधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों की टीम ने सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी को छह हजार रूपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी लाइसेंसशुदा शराब की दुकान को निर्बाध चलने देने एवं परेशान नहीं करने के एवज में सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी राजेन्द्र प्रसाद जाटव द्वारा तीन माह की बंधी के रूप में 6 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्रप्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की डूंगरपुर इकाई के उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी क्षरा शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप कार्यवाही करते हुए राजेन्द्रप्रसाद जाटव पुत्र भागचंद निवासी ग्राम सलेमपुर तहसील महुवा जिला दौसा हॉल प्रहराधिकारी आबकारी थाना सलूम्बर को 6 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

संजीवनी सोसायटी: चार और प्रकरण दर्ज

मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से सोसायटी ने की थी ठगी

जोधपुर, (कासं)। मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाली सोसायटी संजीवनी के खिलाफ चार और प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज हुए है। इससे पहले इसी थाने में आधा दर्जन केस दर्ज किए जा चुके है।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि चौथी बी रोड सरदारपुरा निवासी गोपाल शर्मा पुत्र नंदलाल शर्मा और कनोजिया भवन 11 वीं ई रोड निवासी ओमप्रकाश पुत्र श्यामलाल कनोजिया ने रिपोर्ट दी कि उन्होंने संजीवनी कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के नसरानी सिनेमा के पास स्थित शाखा में निवेश किया । लेकिन सोसायटी ने उनका पैसा वापस नहीं लौटाया। इसी प्रकार बलदेव नगर शिव मंदिर के पास रहने वाली सावित्री सोनी पत्नी रूपाराम सोनी ने और आमली का बास बालाजी मंदिर के पास रहने वाली रेनू सोनी पत्नी तुलसीराम सोनी ने भी अलग अलग प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाए है। इससे पहले कल एक साथ करीब एक दर्जन मामले दर्ज कराए गए थे।

क्या है संजीवनी घोटाला:- संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी को राजस्थान सोसाइटी एक्ट के तहत 2008 में रजिस्टर्ड कराया गया था. इसके बाद 2010 में ये सासाइटी मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के रूप में बदल गई ।इस सोसाइटी के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह थे, जो घोटाले की जांच में प्रमुख नाम भी हैं। विक्रम सिंह को ही इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। संजीवनी पीड़ित संघ का दावा है कि कोऑपरेटिव सोसाइटी में लोगों ने भारी रकम निवेश की थी, लेकिन उन्हें पैसा वापस नहीं किया गया और उसका गलत तरीके से गबन कर लिया गया।

इधर यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में तब आया जब पीड़ितों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर अपना पैसा दिलाने की मांग की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जोधपुर दौरे के समय पीड़ितों के एक शिष्टमंडल से मुलाकात की तथा मदद की गुहार लगाई। राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को करोड़ों रुपये की ठगी के साथ-साथ अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। पीड़ित इस मामले में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की भी भूमिका बता रहे हैं।मुख्यमंत्री गहलोत ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया और कहा कि उनकी सरकार पीड़ितों की जमा राशि को वापस दिलाने का हर संभव प्रयास करेगी।

इसके बाद से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर रहे हैं। इससे लोगों को आश जगी कि उनकी मेहनत की कमाई अब वापस मिल जाएगी। यही कारण है कि जो पीड़ित अब तक चुप बैठ थे, वे भी आगे आकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने लगे हैं।

इधर मुख्यमंत्री ने शेखावत को लेकर बयान बाजी शुरू कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आमने-सामने आ गए हैं। गहलोत जहां इस घोटाले में गजेंद्र सिंह शेखावत के शामिल होने की बात कर रहे हैं तो वहीं शेखावत सीएम के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए । इसके बाद भी गहलोत इस मामले को लेकर जोधपुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। गहलोत ने शेखावत को चेलैंज करते हुए खहा कि यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा दिलाने के लिए आगे क्यों नहीं आते?

वहीं शेखावत, गहलोत को चेलैंज करते हुए कह रहे हैं कि अगर आरोप सहीं हैं तो साबित करिए। अपने खिलाफ लग रहे आरोपों के बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने गत शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में एक शिकायत भी दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाया था कि संजीवनी घोटाले से नाम जोड़कर उन्हें बदनाम किया जा रहा है।

दूसरी तरफ राजस्थान हाई कोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने यूनियन ऑफ इंडिया समेत सभी 17 पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वालों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उनकी पत्नी नोनंद कंवर का नाम भी शामिल है। हाई कोर्ट ने ये नोटिस संजीवनी पीड़ित संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने लोगों से भारी निवेश कराया,।निवेशकों को फर्जी रिकॉर्ड पोस्टर दिखा कर धोखे में रखा गया। ये पूरा घोटाला करीब 900 करोड़ का बताया जा रहा है।

निजी चिकित्सकों ने सरकारी अस्पताल के सामने झाडू लगाई

नवलगढ़ कस्बे में निजी चिकित्सकों ने झाडू लगाकर आर.टी.एच. विधेयक का विरोध किया।

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के निजी चिकित्सालय के चिकित्सकों ने आरटीएच के विरोध में सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लेकर सड़क पर सफाई कर रोष प्रकट किया। डॉ. मिनाक्षी जांगिड़ ने अपने उदबोधन मे कहा कि सरकार अपने दिलों दिमाग से कचरा साफ करें। नकारात्मक सोच को निकाले और ठंडे दिमाग से सोचकर कानून बनाऐ और इस काले कानून आरटीएच को हटाए।

सफाई अभियान में डॉ. मनीष जांगिड, डॉ. राजेश सैनी, डॉ. प्रदीप सिंगोदिया, डॉ. हेमंत गुप्ता, डॉ. आभा गुप्ता, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. मिनाक्षी जांगिड, डॉ. विवेक, डॉ. नवल सैनी, डॉ. कैलाश सैनी, डॉ. जितेंद्र चौधरी, डॉ. अमित सैनी आदि चिकित्सक तथा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पद्मजा शर्मा का सम्मान किया

जोधपुर, (कासं)। गौरा की खिलखिलाती डायरी, पर पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी, राजस्थान की तरफ से डॉ पद्मजा शर्मा की हिन्दी की बाल डायरी की पुस्तक गौरा की खिलखिलाती डायरी, का विमोचन जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार, जयपुर में हुआ। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि, राज्यमंत्री एवं मेला विकास प्राधिकरण ,राजस्थान के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा सहित मंच पर ,नेहरू बाल साहित्य अकादमी के अध्यक्ष इकराम राजस्थानी, वरिष्ठ बाल साहित्य रचनाकार रमेश तैलंग, बाल साहित्य रचनाकार और अकादमी संचालिका के सदस्य सत्यदेव संवितेंद्र, कथाकार और अकादमी की संचालिका के सदस्य ओमप्रकाश भाटिया उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ पद्मजा शर्मा को अकादमी ने बाल साहित्य सृजक सम्मान से भी सम्मानित किया। इस मौके पर राजस्थान के कुल 60 रचनाकारों की किताबों का विमोचन हुआ और उन्हें सम्मानित किया गया ।जिनमें से पाँच रचनाकार जोधपुर के थे मनोहर सिंह राठौड सुषमा चौहान, उषा रानी पुंगलिया, डॉ पद्मजा शर्मा और दिलीप केसानी। इस आयोजन का संचालन बाल साहित्य अकादमी के सचिव राजेन्द्र मोहन शर्मा ने किया। इस अवसर पर बाल साहित्य रचनाकार डॉ विमला भण्डारी, मुकेश भारद्वाज फारूख, आफरीदी, राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ दुलाराम सहारण सहित राजस्थान के अनेक बाल साहित्य रचनाकार व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

किरोडी सिंह बैसला को श्रद्धांजलि दी

जालोर, (कासं)। स्थानीय देवनारायण मंदिर जालोर में शुकवार को स्वर्गीय कर्नल किरोडी सिंह बैसला के प्रथम महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। गया। गुर्जर समाज जालोर के अध्यक्ष लाबू सिंह गुर्जर ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कर्नल बैसला के पद चिन्हों पर चलने का आग्रह किया। कर्मचारी कल्याण परिषद के जिला अध्यक्ष जेठाराम गुर्जर ने कर्नल बैसला को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक, सहयोग और भागीदारी पर मंथन करने के लिए जोर दिया। पूर्व पार्षद अशोक गुर्जर ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर बल दिया। मांगीलाल गुर्जर ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कर्नल बैसला के जीवन, आदर्शों एवं मूल्यों पर विचार प्रस्तुत किये। उपाध्यक्ष ओम प्रकाश गुर्जर ने अच्छे स्वास्थ्य एवं बालिका शिक्षा पर जोर दिया। महासचिव सुनील कुमार गुर्जर ने कर्नल बैसला के संघर्षों का वर्णन करते हुए लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पांचू राम देवासी एवं चेलाराम देवासी तथा मोटाराम देवासी ने कर्नल बैसला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बाबा साहब के संदेशों को घर-घर पहुंचा कर शिक्षा के प्रचार पर जोर दिया एवं इस अवसर पर पूर्व पार्षद भैरू सिंह गुर्जर, गणपत चौहान, सुनील कुमार गुर्जर, राजेंद्र सिंह चौहान, रणछोड सिंह चाड खेताराम बागडी, अशोक गुर्जर (व्याख्याता) मदन सिंह राणा, मदन सिंह हाकला, उम्मेद सिंह चाड, सोहन सिंह भाटी, महेंद्र सिंह, अरविंद सिंह, नरेश गुर्जर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपने-अपने विचार रखे एवं समस्त एमबीसी समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया।

राष्ट्रीय वुशू में हिमानी ने जीता स्वर्ण पदक

जालोर, (कासं)। जम्मू में 27 से 31 मार्च तक आयोजित हुई खेलो इंडिया राष्ट्रीय महिला वुशू लीग प्रतियोगिता में जालोर के वुशू खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण सहित कुल छह पदक अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। जिला वुशू संघ के सचिव कन्हैयालाल मिश्रा व अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने बताया कि राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता के 42 किलो भारवर्ग में हिमानी वैष्णव ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं 27 किलो भारवर्ग में सनाया बेनीवाल, 39किलो भारवर्ग में इशिता चौधरी व 45किलो भारवर्ग में दिव्या गोदारा ने कांस्य पदक अर्जित किया। इसी प्रकार तालू में वन्दना चौहान ने अपने दोनों इवेंट में कांस्य पदक जीतकर जिले व राज्य का गौरव बढ़ाया। जिले के वुशू खिलाड़ियों की उपलब्धि पर राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, अंतर्राष्ट्रीय वुशू कोच राजेश टेलर, राजस्थान वुशू संघ की महासचिव ममता वर्मा, अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रशासक दलपतसिंह आर्य, आर्यवीरदल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार,संचालक प्रशांत सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद आर्य, संगठन मंत्री कांतिलाल आर्य, जिला क्रीड़ा परिषद सदस्य छगन आर्य,एथलेटिक्स संघ के जिलाध्यक्ष भरत मेघवाल, अम्बिकाप्रसाद तिवारी, गणपतलाल आर्य, मोहनलाल आर्य,वरुण शर्मा,जगदीश आर्य, छगननाथ, सुशीलपाल सिंह, प्रितमसिंह राठौड़, देवेश आर्य, चिंकु देवी,ओमप्रकाश खंडेलवाल, जितेन्द्र परिहार, अक्षयपालसिंह राठौड़, भूराराम आर्य सहित खिलाडियों ने खुशी जताई।

फालना के दीपक कुमार ने बढ़ाया गौरव

फालना, (निसं)। राजस्थान दिवस की पूर्व संध्या को अस्तु फाउंडेशन पाली द्वारा एक विशाल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे अपनी संकृति को कोने कोने तक पहुंचने के लिए दीपक कुमार को इनफ्लूएंसर बुक और वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा पहला व ऐतिहासिक मॉडलिंग शो आयोजित करने के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड से नवाजा गया। फालना के मूल रहने वाले दीपक कुमार (फैशन मॉडल) ने गत 7 जनवरी को ऐसा कारनामा कर दिखाया। जिससे इनफ्लूंसर बुक और वर्ल्ड रिकॉर्ड ने दीपक का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए अपने नाम रजिस्टर किया है। बता दे की दीपक ने गत 7 जनवरी 2023 को पाली जिले के फालना में एक मॉडलिंग शो का आयोजन किया था। यह मॉडलिंग शो संपूर्ण भारत का पहला ऐसा मॉडलिंग शो था जो की पूरा राजस्थान की संस्कृति को दिखाते हुए और उसको प्रदर्शित करते हुए आयोजित हुआ था। इस मॉडलिंग शो में संपूर्ण भारत से युवक और युवतियों ने भाग लिया था और सभी ने राजस्थान की पारंपरिक वेश भूषा धारण कर रैंप वॉक किया था। यह शो पूरे भारत का प्रथम शो था जो की पूरी तरह सांस्कृतिक था और इवेंट को नोबल स्कूल फालना में आयोजित किया गया था । बता दे की दीपक खुद एक फैशन मॉडल है और अभी तक राजस्थान गुजरात दिल्ली जैसी कही जगह पर जीत कर फालना का नाम कई बार रोशन कर चुके है। दीपक का वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने की वजह से नगर में खुशी की लहर छाई हुई है।

वरिष्ठ अध्यापकों ने विरोध जताया

पिंडवाडा, (निसं)। पिण्डवाड़ा पंचायत क्षेत्र के बसंतगढ गांव की राजकीय माध्यमिक विद्यालय बसंतगढ में राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के वरिष्ठ अध्यापकों ने विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर काली पट्टी बांधकर कार्यस्थल पर विरोध प्रकट किया। वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता वर्ग की पिछले तीन सत्र से बकाया डीपीसी करने, नए सेवा नियम लागू होने की 3 अगस्त 2021 से पूर्व डिग्री प्राप्त कर चुके वरिष्ठ अध्यापकों को पात्र मानते हुए विभागीय डीपीसी संपन्न करने, माध्यमिक शिक्षा में स्टाफिंग पैटर्न लागू करने, अनिवार्य विषय हिंदी और अंग्रेजी के व्याख्याता पद सृजित करने,क्रमोन्नत पांच हजार उच्च माध्यमिक विद्यालयों में व्याख्याता पद सृजित करने व वरिष्ठ अध्यापकों के अंतर मंडल स्थानांतरण पर वरिष्ठा विलोपन नहीं करने की मांगों को लेकर जिले भर के वरिष्ठ अध्यापकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदेशभर के वरिष्ठ अध्यापक सरकार के खिलाफ आक्रोशित है। और चरणबद्ध तरीके से आंदोलन का आगाज किया गया है। जिसके तहत आगामी चरण में 5 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न उपखंड मुख्यालयों से शिक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए जाएंगे। उसके बाद 17 अप्रैल को राजधानी के शहीद स्मारक पर प्रदेश भर के वरिष्ठ अध्यापक हजारों की संख्या में पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इस दौरान चतराराम, विजेंद्र सैनी नारायण लाल, रिषी कुमार आदि उपस्थित थे।

उत्कर्ष : काउंसलिंग सेमिनार आज

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा क्लेट एवं विधि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए शनिवार को प्रातः 10 बजे शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में निः शुल्क काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन रखा गया है। सेमिनार में संस्था के संबंधित विभाग के विषय विशेषज्ञों एवं नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों द्वारा परीक्षा संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारियों सहित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के मूल मंत्रों की जानकारी दी जायेगी। सेमिनार के दौरान होने वाले स्कॉलरशिप टेस्ट में अभ्यर्थियों को 9० प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप पाने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त नए बैचेज की सूचना विद्यार्थियों को दी जाएगी जिसके अंतर्गत 3 तथा 5 वर्षो के सभी लॉ एंट्रेस टेस्ट जैसे क्लेट आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिऐ नए फाउंडेशन एवं टारगेट बैचेज की घोषणा भी की जाएगी।

बैंसला की पुण्यतिथि मनाई

सुमेरपुर, (निसं)। रायका समाज छात्रावास सुमेरपुर में कर्नल किरोडी सिंह बैंसला की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। सुजाराम देवासी, छात्रावास वार्डन लक्ष्मण देवासी, छात्र कन्हैयालाल नेतरा, हेमन्त देवासी, हरीश भागली, प्रकाश देवासी, भीमाराम, समेलाराम सहित अन्य मौजूद रहे।

पीपाजी महाराज की जयंती 6 को, दो दिन कार्यक्रम होंगे

जोधपुर, (कासं)। संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की 700 वीं जयंती 6 अप्रेल को समस्त भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी। शहर में इस मौके दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

श्री समस्त पीपा क्षत्रिय न्याति ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चावड़ा ने यह जानकारी आज प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय पीपा जयन्ती कार्यक्रम के प्रथम दिन 5 अप्रेल को 15 वां रक्तदान शिविर संयोजक ओम प्रकाश दहिया के नेतृत्व में रखा गया है। साथ ही पीपा जयंती की पूर्व संध्या पर विजय चौक स्थित श्री पीपा जी महाराज के मंदिर पर सुंदरकांड एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। रामचन्द्र पंवार एवं उनके साथी भजनों की प्रस्तुति देंगे। मन्दिर पर विशेष सजावट की जाएगी।

ट्रस्ट के सचिव नरेश सोलंकी ने बताया कि जयन्ती महोत्सव के दूसरे दिन 6 अप्रेल को प्रातः पीपाजी महाराज के प्राकट्यय दिवस पर विजय चौक तथा हनुमान जी की भाखरी स्थित पीपाजी महाराज के मन्दिरों पर पूजा अर्चना तथा हवन का आयोजन रहेगा। समाज के लोग यहां पूजा अर्चना तथा दर्शन का लाभ लेंगे। प्रति वर्ष की भांति आयोजित होने वाली शोभायात्रा इस वर्ष भी आयोजित की जाएगी।

6 अप्रेल को प्रातः 10 बजे विजय चौक स्थित पीपाजी महाराज के मंदिर से अतिथियों द्वारा शोभायात्रा को केसरिया ध्वज दिखा कर रवाना किया जाएगा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं कलश उठाए शामिल होंगी। साथ ही भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत झांकियां भजन मण्डलियां, घोड़ों का लवाजमा, रथ, बैण्ड, नगाढे, शहनाई वादक, आदि सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा विजय चौक से आरंभ होकर शहर के भीतरी भाग से उम्मेद चौक, मकराना मौहल्ला, त्रिपोलिया, सोजती गेट होते हुए नई सडक़ से रातानाडा स्थित आर्य समाज भवन पहुंचगी। सामूहिक प्रसादी का आयोजन रखा है।

रक्तदान शिविर के संयोजक ओमप्रकाश दहिया ने बताया दो दिवसीय पीपा जयन्ती कार्यक्रम के प्रथम दिन 5 अप्रेल को रातानाडा, सुभाष चौक स्थित समाज के न्याति भवन सुबह नौ बजे रक्तदान शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा संत पीपाजी महाराज के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर किया जाएगा। युवाओं इसको लेकर काफी उत्साहित है। इस बार 151 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है।

प्रवक्ता मिश्रीलाल पंवार ने बताया कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति को गतिमान करने में संतों-महात्माओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस क्रम में मध्यकाल में गढ़ गागरौन के प्रतापी शासक राव प्रताप सिंह का नाम उल्लेखनीय है। जिन्होंने राजा रहते हुए न केवल तत्कालीन सुल्तानों से लोहा लिया, अपितु कालांतर में आध्यात्म की राह पर अग्रसर होकर संत पीपाजी के नाम से धर्म और संस्कृति की ध्वजा को चहुँदिशा फैलाया। संत रामानंद के बारह शिष्यों में कबीर, धन्ना, रैदास आदि के साथ संत पीपा का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है ।

संत पीपा जी ने आत्मिक और आध्यात्मिक जाठाति के साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों और हिंसा आदि का पुरजोर विरोध किया। समाज और संस्कृति के प्रति उनका योगदान इतिहास की थाती है। उन्होंने राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र आदि क्षेत्रों के भ्रमण में सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक उत्थान के कार्य किए। पर्दा प्रथा, हिंसा आदि का विरोध और स्वावलम्बन, आंतरिक स्वतंत्रता आदि के माध्यम से उन्होंने सुसुप्त चेतना को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उनका भक्ति साहित्य आज भी लोकगायन में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उनकी वाणियों को गुरु ग्रन्थ साहिब में स्थान मिलना यह प्रमाणित करता है कि समाज और संस्कृति के उन्नयन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

प्रेसवार्ता में ट्रस्ट के पूर्व सचिव तेजाराम राखेचा, नरेन्द्र राखेचा कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, पार्षद भीमराज राखेचा, पीपा प्रकाश के संपादक नरेंद्र चौहान, विजय कुमार तंवर सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

नारणावास में कार्यों का निरीक्षण

जालोर, (कासं)। ग्राम पंचायत नारणावास में सरपंच जशोदा कंवर के निर्देशन में चल रहे मनरेगा कार्यो का जालोर पंचायत समिति के विकास अधिकारी दिनेश गहलोत ने शुक्रवार को निरीक्षण किया।

जालोर जिले के बागरा नारणावास सड़क मार्ग के पास स्थित कालेटी नाड़ी नया नारणावास मनरेगा कार्य स्थल पर पहूंच कर आकस्मिक निरीक्षण किया।

बीडीओ गहलोत ने मेट से ऑनलाइन मोबाईल एप द्वारा नरेगा मजदूरों की उपस्थिति भरने के साथ टास्क अनुसार काम करवाने हेतु निर्देशित किया। विकास अधिकारी गहलोत ने नरेगा कार्य स्थल पर उपस्थित नरेगा मजदूरों को पूरी लगन से काम करने को कहा। नरेगा स्थलों पर मिस्ट्रॉल,नरेगा कार्य स्थल बोर्ड, मेडिकल आदि का भी निरीक्षण किया एवं निर्देश भी दिए। साथ ही नारणावास सरपंच जशोदा कंवर से चल रहे अन्य कार्यो के बारे में भी जानकारी ली।

वाणी उत्सव का समापन

बाड़मेर, (निसं)। वीणा पर पारंपरिक वाणी गायन के संरक्षण को समर्पित जसदेर तालाब, शिवशक्ति धाम, बाड़मेर में चल रहे वाणी उत्सव का समापन, पुरस्कार व प्रोत्साहन समारोह के साथ हुआ।

प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डॉ रुमादेवी को पत्र लिखकर इस उत्सव के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस अनूठे लोक उत्सव हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। रूमादेवी फाउंडेशन व ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वाणी उत्सव में शुरुआत से समापन तक भजनों की सरिता अनवरत बहती रही।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर व केलम-दरिया के द्वारा गुरु वंदना कर की गई। गुरूवार रात से शुरू हुआ वाणी भजनों का दौर शुक्रवार को भी चलता रहा, जिसमे प्रकाश खट्टू ने अवगुण तजो...कच्छ के मुरालाला मारवाडा ने वारी जाऊं..,मेरो चित लागो रे फकीरी में...तथा इस काया में बर्तन माटी का.. जैसे वाणी भजनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। मुरालाला मारवाडा व कुंभाराम धनाऊ ने जुगलबंदी में भी सुर लहरियाँ बिखेरी। इनके अलावा केहरा राम सणपा, सुरेश जाणी, महेशाराम, लक्ष्मण राम भील ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी। भजन सम्राट दान सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर दानजी स्मृति मारवाड़ भजनी पुरस्कारों की घोषणा हुई। जिनमें वरिष्ठ कलाकार श्रेणी में महेशाराम मेघवाल जैसलमेर से, युवा कलाकार श्रेणी में उगम दान चारण सांगड, नवोदित कलाकार श्रेणी में केलम व दरिया कानासर शिव से तथा वीणा भजन परंपरा के संरक्षण हेतु विशिष्ट कार्य करने वाले गिरधारी लाल विश्वकर्मा आलमसर का चयन इस साल के दानजी स्मृति मारवाड़ भजनी पुरस्कारों के लिए हुआ। जिनमें 25-25 हजार रुपये की नगद प्रोत्साहन राशि, कुल एक लाख रुपये पुरस्कार, स्मृति चिन्ह, वीणा वाद्य यंत्र प्रदान किये गए। इसके साथ ही लुप्त हो रहे वीणा वाद्य यंत्र के संरक्षण के लिए पचास वीणा वाद्य यंत्र भेंट करने का लक्ष्य रखा गया था। जिनमे से तीस वीणा वाद्य यंत्र भेंट कर कलाकारों का हौसला अफजाई किया गया। शेष वीणा निर्माणाधीन हैं जिनका वितरण अगले कार्यक्रम में किया जाएगा।

कार्यक्रम समाजसेविका डॉ रुमादेवी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डिंगल कवि व साहित्यकार दीप सिंह भाटी दीप की पुस्तक मरुधरा रा महापुरुष का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पुरोधा सम्मान से सम्मानित भोपाराम का पट्टू ओढाकर स्वागत व सम्मान किया गया। साथ ही दान सिंह के परिवार के सदस्य जो कार्य म में शामिल हुए उनका शॉल ओढाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया।मंच संचालन रमेश मिर्धा व जसवंत डूडी द्वारा किया गया।

अयोध्या मानस रामलीला पुस्तक का विमोचन

जोधपुर, (कासं)। श्री राम नवमी के पावन अवसर पर प्रबंध समिति आदर्श विद्या मंदिर द्वारा लेखक अयोध्या प्रसाद द्वारा रचित अयोध्या मानस रामलीला पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम गुरुवार शाम सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर चौपासनी रोड स्थित जूना खेडापति बालाजी मंदिर पर भगवान श्री राम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जोधपुर वासियों के लिए कई बार प्रकाश व ध्वनि के संयोजन पर बनी अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित सम्पूर्ण श्री रामलीला के मंचन का निर्देशन कर चुके स्वामी सुशील महाराज सहित निर्देशक अरु-स्वाति व्यास, स्वागताध्यक्ष देवेन्द्र बूडिया, ओम प्रकाश गहलोत, घनश्याम ओझा, अशोक पंवार, सुरेश विश्नोई, श्रीपाल लोढा, महावीर चौपडा, नरेश सुराणा, प्रकाश जीरावला, जगदीश सिंह, कमलेश पुरोहित, महेंद्र दवे, गंगा विष्णु, पारसमल जैन, हरीश लोहिया, मिश्रीलाल प्रजापति, माधवदास वैष्णव, अशोक गहलोत, तरुण गहलोत, देवी बिजानी व अन्य गणमान्य नागरिक अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे।

भजन संध्या पर चंदन म्यूजिक पार्टी की तरफ से दी गई भगवान श्री राम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति ने सम्पूर्ण माहौल को भक्तिमय बनाया तथा सभी भक्तजनों ने बडे ही उल्लास के साथ कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

प्रबंध समिति आदर्श विद्या मंदिर के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम निवेदक डॉ-निर्मल गहलोत ने उपस्थित अतिथियों का परिचय करवाते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष की बात है कि समिति द्वारा जोधपुर में प्रभु श्री राम के जीवन-चरित पर आधारित श्री अयोध्या प्रसाद गौड द्वारा रचित पुस्तक मानस रामलीला के विमोचन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोग भक्ति भावना के साथ आज यहाँ मौजूद है।

कार्यक्रम में बतौर निर्देशक सम्पूर्ण श्री रामलीला के मंचन का 5० वर्षो से अधिक का अनुभव रखने वाले स्वामी सुशील जी महाराज ने गत वर्ष हुई श्री रामलीला के सफल मंचन के लिए समिति कार्यकर्ताओं सहित समस्त जोधपुरवासियों के उत्साह पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 'अयोध्या मानस रामलीला पुस्तक' आगामी अक्टूबर-नवंबर में आयोजित किए जाने वाले श्री रामलीला मंचन का स्क्रिप्ट रूप है और इस बार की रामलीला तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावी होगी।

स्मैक व बंदूक सहित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

पिंडवाड़ा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थो की रोकथाम को लेकर सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की लगातार हो रही कार्रवाई में पिंडवाडा थाने का हिस्ट्रीशीटर को अवैध दो टोपीदार बंदूक और तीस ग्राम स्मैक के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किय।

मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम को लेकर पुलिस उप अधीक्षक पिंडवाडा जेठू सिंह करनोत व थानाधिकारी चंपालाल बारड की निर्देशन में डीएसटी की सूचना पर एसआई शिवनारायण मीणा, डीएसटी टीम के करणी दान चारण, हेड कांस्टेबल सुमन गरासिया, कांस्टेबल गुलशन कुमार गुरुवार रात्रि को हाईवे सानवाडा तेलपुर की ओर नाकाबंदी के लिए जा रहे थे। तेलपुर गांव से पहले मामा जी बावसी थान के पास कंधे पर दो बंदूक टांगे युवक दिखा। पुलिस की गाडी को देखकर युवक भागने लगा पुलिस टीम ने तुरंत ही पीछा कर युवक को दबोच लिया और पूछताछ की। तब थाने का हिस्ट्रीशीटर गोकुल सिंह पुत्र जब्बर सिंह निकला टीम ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से बंदूक का बारूद और तीस ग्राम स्मैक बरामद की बंदूक का लाइसेंस मांगा तो मना कर दिया। पुलिस ने उसके पास से टोपीदार दो बंदूक और बारूद तीस ग्राम स्मैक कब्जे में लेकर उसे पुलिस थाना लाया गया जहां एन डी पी एस और आर्म एक्ट में मामला दर्ज कर किया। जिसकी जांच रोहिडा थानाधिकारी मनोज कुमार को सौंपी गई। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवाकर पिंडवाडा न्यायालय में पेश किया। जहां पुलिस रिमांड में भेजा गया।

खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए

धोरीमन्ना (नि.सं.)। बाड़मेर जिला कलेक्टर के द्वारा जिले भर में चलाए जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत धोरीमना मुख्यालय पर फूड अधिकारी ने कार्रवाई कर दुकानों से सैंपल लिये । फूड अधिकारी राजेश जांगिड़ बाड़मेर ने बताया कि जिला कलेक्टर लोकबंधु के निर्देशानुसार जिले भर में शुद्ध के लिए युद्ध चलाया जा रहा है। अभियान के तहत धोरीमना में कार्रवाई कर दो दुकानों से सोयाबीन तेल व बदाम तथा मेदा का सैंपल लिया।

राहुल गांधी को सजा एवं लोकसभा की सदस्यता से रद्द करने का विरोध

जालोर, (कासं)। प्रदेश सचिव एवं जिला प्रभारी भूराराम सीरवी ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता गाँव-गाँव ढ़ाणी-ढ़ाणी जाकर केन्द्र सरकार की फासीवादी नीतियाँ तथा अलोकतांत्रिक निर्णयों में जनता को अवगत करवायेंगे। ये बात शुक्रवार को सर्किट हाऊस में सिरवी ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सजा एवं लोकसभा की सदस्यता से रद्द करने के विरोध में आयोजित प्रैसवार्ता में कही।

प्रदेश सचिव ने कहा कि आगामी दिनों राहुल गांधी की सदस्यता को लेकर ब्लांक स्तर व मंडल स्तर प्रैसवार्ता कर मोदी सरकार की नाकामियों को उजागर किया जायेंगा।

सिरवी ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के प्रति लोगों में सकारात्मक माहौल होने से राजस्थान में फिर कांग्रेस कर सरकार बनाने जा रहे है। तथा आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में लड़ा जायेगा।

प्रदेश सचिव सिरवी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर में सत्य की तथा लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी देश की जनता के मुद्दे केन्द्र सरकार के समक्ष उठा रहे। तथा देश के लोगों की आवाज बनकर केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने पूरे देश में कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोडो यात्रा निकालकर केन्द्र सरकार के विरुद्ध बढ़ती महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग समाज में बढते विखण्डन तथा अमीर और गरीब के बीच बहती खाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये। जिससे भाजपा की केन्द्र सरकार व्यथित है। आम जनता के लिये उठाये मुद्दों पर बात करने की बजाए भाजपा की केन्द्र सरकार लगातार विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर रही है।

सिरवी ने कहा कि राहुल गांधी संसद में अडानी को सम्पनियों में 20 हजार करोड रुपये के घोटाले तथा अडानी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिश्ते पर प्रश्न पूछ रहे हैं. राहुल गाँधी ने प्रश्न किया है। कि प्रधानमंत्री जब विदेश जाते हैं तो उस देश के महत्वपूर्ण ठ्ठेके अडानी को क्यों मिल जाते है। इन प्रश्नों से बचने के लिये अलोकतांत्रिक तरीके से राहुल गाँधी की लोकसभा में सदस्यता को समाप्त करने का निर्णय देश के लोकतंत्र को कलंकित करने वाला है। भूराराम ने कहा कि राहुल गाँधी सत्य के लिये लड रहे हैं तथा उनकी यह लड़ाई निडरता के साथ जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से सत्ता में आये देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू एवं कांग्रेस के अन्य नेताओं तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिये अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर रहे है किन्तु कांग्रेस ने कभी उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की। सिरवी ने कहा कि कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता जनता के बीच राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की योजनाओं का लाभ आमजन को पहुँचाकर पुन 2023 में कांग्रेस की सरकार बनायेंगे ए केन्द्र की फासीवादी मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करते हुये 2024 में केन्द्र सरकार विदाई सुनिश्चित करेंगे।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नैन सिंह राजपुरोहित, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सवाराम पटेल,पूर्व प्रधान भवरलाल मेघवाल,जिला प्रवक्ता योगेन्द्र सिंह कुम्पावत, जालोर ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, आहोर ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र जोशी,जवानाराम परिहार, पार्षद लक्ष्मण सिंह सांखला, रमेश मेघवाल, मनोनीत पार्षद अनिल पंडत, भरत मेघवाल, नरेंद्र मेघवाल सहित कांग्रेसजन मौजूद थे।

सार-समाचार

बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर चर्चा की

पाली, (नि.सं.)। राजकीय स्नातकोत्तर बांगड़ महाविद्यालय एवं राजकीय स्नातकोत्तर विधि महाविद्यालय पाली के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को ''बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अन्तर्राष्ट्रीय मानक एवं विकासशील देशों के व्यापारिक हित'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-कॉन्फ्रेस का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. श्रुति गुप्ता, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर ने सम्बोधित किया। सेमिनार के सचिव कीर्तिपाल सिंह काबावत ने बताया कि सेमिनार के तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गये। जिसमें प्रोफेसर (डॉ.) अमरपाल सिंह, जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी द्वारका, नई दिल्ली, डॉ. मनोज के. बालान पेंटेट एण्ड डिजाइन परीक्षक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार एवं डॉ. अशोक सोनी, वरिष्ठ अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर द्वारा सेमिनार के विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिये गए। स्वागत भाषण (सह-संरक्षक) डॉ. तपन पुरोहित, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर विधि महाविद्यालय, पाली एवं विदाई भाषण सेमीनार के संरक्षक डॉ. कुलदीप सिंह गहलोत, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर बांगड़ महाविद्यालय, पाली द्वारा किया गया। सेमीनार की अध्यक्षता डॉ. विष्णुदत्त दवे, प्राचार्य, गांधी बधिर महाविद्यालय, जोधपुर के द्वारा की गई। सेमीनार में प्रदेश सहित अन्य राज्यों के सैकड़ो प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन में डॉ. प्रीति माथुर (संयोजक) सह-आचार्य, डॉ. सुषमा शर्मा सह-आचार्य, डॉ. नेमीचंद सहा. आचार्य(विधि), मुकेश सांखला, सहा. आचार्य, डॉ. विनीता अरोड़ा सहा. आचार्य, डॉ. विक्रम सिंह, दिलीप सिंह राठौड़, डॉ. आरिफ अली मोयल, डॉ. स्वाति सोनी, विश्वमैत्री शेखावत, डॉ. भगवान दास एवं तकनीकी सहायक अल्ताफ हुसैन, महिपाल राव का सहयोग रहा।

शिकारपुरा में भरा मेला, रक्तदान किया

पाली, (नि.सं.)। पाली रोहट निकट शिकारपुरा श्री राजारामजी आश्रम में रामनवमी व संत राजाराम महाराज के 141 वें जन्मोत्सव पर आश्रम में मेले आयोजन किया गया। महंत दयारामजी महाराज की प्रेरणा से मेले में आये 1041 रक्तवीरों ने रक्तदान किया तथा संत श्री राजारामजी महाराज के बताये हुये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मेले में रक्तदान करने वाले रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र व हेलमेट देकर सम्मानित किया गयाझ मेले में लाखों श्र)ालुओं ने जमकर खरीददारी की तथा शान्ति व्यवस्था के साथ महाप्रसादी का आनन्द लिया। जालोर सिरोही सांसद देवजी भाई पटेल, भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी, पूर्व सांसद व राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री जसवंतसिंह विश्नोई, पूर्व ससंदीय सचिव व पूर्व विधायक लूणी जोगाराम पटेल, कांग्रेस पी.सी.सी. सचिव श्रवणराम पटेल, खुड़ाला महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी विजयलक्ष्मी पटेल, पाली प्रधान मोहनी देवी, भाजपा जिला संयोजक पायल पटेल, चेनाराम, महेन्द्रसिंह, समाज सेवी हरिभाई पटेल रूपावास, ओमप्रकाश, भलाराम, पोलाराम, भंवरलाल, दौलाराम, जोराराम, पुखराज दयालपुरा सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

कांग्रेस सरकार की विफलताएं : गर्ग

सायला, (निसं)। कस्बे के चौधरी समाज छात्रावास में शुक्रवार को भाजपा विधानसभा क्षेत्र जालोर की जनआ ेश आंदोलन के तहत जालोर जिला कलेक्ट्रेट के महाघेराव की तैयारियों को लेकर बैठक का विधायक जोगेश्वर गर्ग व जिला प्रभारी महेन्द्र बोहरा की उपस्थिति में आयोजन हुआ। बैठक के प्रारंभ में विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समपर्ण भाव से कार्य करता है। इसलिए आगामी 5 अप्रेल को प्रस्तावित जिला कलेक्टर महाघेराव कार्य मे प्रत्येक बूथ से अधिकाधिक संख्या में कार्यकर्ताओं का आना सुनिश्चित करे। जिला प्रभारी महेन्द्र बोहरा ने महाघेराव की जानकारी देते हुए रूपरेखा प्रस्तुत की। वही संगठन गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ भाजपा नेता भवानीसिंह बाकरा ने आभार जताया। इस दौरान प्रधान ढोमीदेवी, जालोर प्रधान नारायणसिंह राजपुरोहित, जिला महामंत्री पुखराज राजपुरोहित, पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नैनमल लखारा, पोषाणा मण्डल अध्यक्ष उदयसिंह दादाल, उम्मेदाबाद मण्डल अध्यक्ष गणपतसिंह राव, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गजेन्द्रसिंह सिसोदिया, जीवाणा युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष दशरथसिंह भाटी, भवानीसिंह देता, छगनलाल सुथार, रमेश गर्ग, सुरेशदास वैष्णव, मूलसिंह चम्पावत सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

देश में बढ़ी आर्थिक विषमता : मंत्री हेमाराम

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के प्रभारी मंत्री हेमाराम चौधरी ने प्रेस वार्ता में बताया कि देश में बढ रही आर्थिक विषमता तथा नरेंद्र मोदी और गोतम अडानी के गठबंधन से हो रहे घोटालों से लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है। राहुल गांधी द्वारा जयपुर आम सभा में मुख्यमंत्री गहलोत की उपस्थिति में अडानी मोदी दोस्त है कहने के बाद गहलोत ने भी अडानी को रेड कार्पेट स्वागत देकर दोस्त बना कर जैसलमेर के बांधा के पेयजल सत्रौत गिरधारी की तलायी के जल संठाहण मार्ग पर सोलर पार्क के लिए जमीन दे दी जिससे राहुल गहलोत से नाराज हुए। कांठोस की कार्य शैली में दिल्ली जयपुर में अंतर क्यों है पूछने पर चौधरी कोई जवाब दे नही पाये। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं जैसलमेर प्रभारी श्रवण पटेल भूदान यज्ञ बोर्ड के चेयरमैन लक्ष्मण कड़वासरा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष उम्मेद सिंह तंवर भी उपस्थित रहे।

नेपाल के अधिवक्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग आईटीईसी विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से बौद्धिक सहयोग का 20वां संस्करण के आयोजन में ऑफिस ऑफ एटॉर्नी जनरल नेपाल के अधिवक्ताओं के लिए दो सप्ताह की स्पेशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारत और नेपाल के बीच अकादमिक, विद्वतापूर्ण और सांस्कृतिक मामलों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नेपाल के अधिवताओं को भूतपूर्व न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रशानिक अधिकारी एवं अकादमिकों द्वारा संबोधित किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों के लिए अभियोजन और न्याय वितरण प्रणाली के विभिन्न प्रासंगिक मुद्दों पर व्याख्यान आयोजित किए गए। स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान प्रतिभागियों ने राजस्थान उच्च न्यायालय, मेहरानगढ़ किला,उम्मेद भवन महल, जसवंत थड़ा, नागौर किला, आफरी, जोधपुर, ओसियां डेजर्ट सफारी, सालावास और सुरपुरा सहित शैक्षिणक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया।

रेल मंत्री का पोकरण दौरा 8 को

पोकरण, (निसं)। पोकरण भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सारदा ने आगामी 8 अप्रेल को रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव की पोकरण में होने वाली आम सभा की तैयारी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की पोकरण सभा भवन में बैठक ली व दायित्व सौंपे। जिलाध्यक्ष सारदा ने सभी कार्यकर्ताओं को इस आमसभा को सफल बनाने व जैसलमेर मुख्यालय पर 4 मार्च को महा घेराव के साथ स्थापना दिवस की रूपरेखा के बारे मे विस्तार से चर्चा की। पोकरण मीडिया प्रभारी भोमाराम माली ने बताया कि आज की बैठक में जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सारदा, प्रदेश सदस्य महंत प्रताप पूरी महाराज, पूर्व विधायक शैतान सिंह राठौड, सांकडा प्रधान भगवत सिंह, नगर पालिकाध्यक्ष मनीष पुरोहित, महामन्त्री सुशील व्यास, मंत्री मदन सिंह राजमथाई, बाबू लाल शर्मा, पोकरण नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष जुगल व्यास, नारायण सिंह, महेन्द भील, नाथू राम विश्नोई, उम्मेद सिंह तंवर, गीगु लाल, तुलछ सिंह, जेठा राम, संतोष पालीवाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोकरण में प्रदर्शन जारी

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर में बढ़ रही चोरियो व पूर्व में हुई लूटपाट, डकैती व चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं होने पर उपखंड कार्यालय पोकरण के आगे दिए जा रहे अनिश्चित धरने में भाजपा के वरिष्ठ नेता महंत प्रतापपुरी ने शुक्रवार दोपहर में पहुंचकर प्रशासन से आग्रह किया कि शहर में हो रही चोरी एवं लूट की वारदातों शीघ्र शीघ्र खुलासा करें एवं परिवार को न्याय दिलाने की मांग रखी। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सारदा , नगर पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित पूर्व भाजपा अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास युवा नेता मदन सिंह राजमथाई,सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व शहरवासी उपस्थित रहे। अनिश्चितकालीन धरने के समर्थन में शनिवार को पोकरण पूर्ण रूप से बंद रहेगा।

निरीक्षण किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जोधपुर महानगर चन्द्र शेखर शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर के सचिव व अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश सुरेन्द्र सिंह सांदू व मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, जोधपुर महानगर श्रीमती माण्डवी राजवी ने शुक्रवार को केन्द्रीय कारागृह का मासिक निरीक्षण किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

पॉक्सो न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए 42000 जुर्माने की सजा से भी दंडित किया

राजसमंद, (नि.सं.)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को पॉक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश सुनील कुमार पंचोली ने 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 42000 रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने बताया कि फरवरी 2019 को परिवादी ने पुलिस थाना चारभुजा में एक लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की, कि उसकी पुत्री रात्रि में उसके घर के पास स्थित बाडे में भैसों को चारा डालने की कहकर घर से निकली जो 15-20 मिनट तक घर पर वापस नहीं आई तो उसने व उसके परिवार वालों ने उसकी पुत्री की गांव में तक काफी तलाश की परंतु उसका कोई पता नहीं चला। उसकी पुत्री कक्षा दो तक पढी हुई होकर 14 वर्ष की है। जिसको कोई बहला-फुसलाकर ले गया।

अपहरण का अंदेशा भी जताया गया। चारभुजा थाना पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर व आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर अभियुक्त गोवर्धन लाल के विरुद्ध उच्च न्यायालय राजसमंद में आरोप पत्र पेश किया। न्यायालय में पीडिता पर राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 26 गवाह न्यायालय में पेश किया तथा 26 दस्तावेज न्यायालय में परीक्षित कराए गए। न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात अभियुक्त गोवर्धन लाल पुत्र मोहन लाल निवासी मोराणा पुलिस थाना चारभुजा को दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 42000 रुपये जुर्माने की सजा से दंडित दंडित किया

पुलिसकर्मी के साथ नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की सजा

जालोर, (कासं)। लैगिंक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को बीस साल की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक सैयद मुमताज अली ने बताया कि 16 अप्रैल 2021 को बिशनगढ निवासी पीड़िता के पिता ने पुलिस थाना जालोर में रिपोर्ट पेष कर बताया कि बिशनगढ में मोटरसाईकिल की दुकान है। तथा प्रथम तल पर दुकान तथा प्रथम फ्लोर पर आवास स्थित है।

15 अप्रैल 2021 की रात्रि को हम सभी परिवार वाले खाना खाकर रात को करीब 11 बजे सो गये थे। 16 अप्रैल सुबह 4 बजे उठकर देखा तो मेरी नाबालिग पुत्री गायब मिली। मेरी उक्त नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर किसी अनहोनी संगीन वारदात करने की गरज से ले गया हैं। मेरी नाबालिग पुत्री को दस्तयाब कर सुपुर्द करवाये। पुलिस ने उक्त गुमशुदगी दर्ज कर कार्यवाही शुरू की। दौराने अनुसंधान संदिग्ध सदीक खान पुत्र चांद खान जाति मोयला मुसलमान, निवासी बिशनगढ के मोबाईल नम्बर की सीडीआर निकालने पर उसे महाराष्ट्र कल्याण से नाबालिग सहित सदीक खान को गिरफतार किया गया। तथा नाबालिग के पुलिस व न्यायालय में दिये गये बयानो के आधार पर सदीक खां द्वारा नाबालिग को जबरदस्ती बहला फुसलाकर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करना पाया जाने पर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया।

अभियोजन पक्ष की ओर से बीस गवाहन परिलक्षित करवाये गये। पोक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित ने दोनो पक्षो की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद आरोपी सदीक खान द्वारा नाबालिग को बहला फुसलाकर अहमदाबाद के एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का दोशी पाया जाने पर बीस साल की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी विषिश्ठ लोक अभियोजक सैयद मुमताज अली ने की।

नगर पालिका ने सिवाय चक भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाये

60-70 बीघा भूमि पर हो रहे थे अवैध अतिक्रमण

नगर पालिका की सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाती हुई जेसीबी मशीन।

तारानगर, (निसं)। तारानगर के उत्तरी दिशा में नगर पालिका की सिवायचक भूमी के खसरा नम्बर 933/306 व 334/306 में हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिये पालिका अधिशाषी अधिकारी अरूण सोनी पालिका कर्मचारीयों सहित पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच कर अतिक्रमण हटाये। गौरतलब है कि उक्त भूमि विवादित भूमि भी है जिस पर रामपुरा बेरी के पूरणमल ब्राहमण ने अपना कब्जा बताकर अपने स्वामित्व की बताई है और इस सम्बन्ध में एक मामला तारानगर के न्यायालय में विचाराधीन भी है।

ईओ नगर पालिका अरूण सोनी ने बताया कि नगर पालिका की सिवायचक भूमी पर अतिक्रमण होने की शिकायते प्राप्त हो रही थी उस पर संज्ञान लेते हुए आज नगर पालिका की टीम मय प्रशासन खसरा नम्बर 933 व 934 में उपस्थित होकर जेसीबी मशीन व कर्मचारियों की सहायता से जो कच्चे अतिक्रमण लोगों द्वारा किये गये है उनको हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इन अतिक्रमणों को हटाकर नगरपालिका की भूमि को संरक्षित किया जा रहा है। पालिका ईओ ने बताया कि अभी 60 से 70 बीघा भूमि से अतिक्रमण जो कच्चे है को हटाया है लेकिन जो पक्के अतिक्रमण है उन पर भी विचार किया जायेगा। इस अवसर पर हल्का पटवारी प्रताप डूडी, नगर पालिका स्वच्छता निरीक्षक त्रिशूल भाटी, लक्खूसिंह, मुमताज व जमादाद मुकेश बाल्मिकी सहित तारानगर का पुलिस प्रशासन भी उपस्थित था।

■ **ईओ नगर पालिका अरूण सोनी पुलिस जाब्ते के साथ रहे मौके पर मौजूद**

ट्रक ने बारातियों से भरी कार को टक्कर मारी

आठ बालिकाओं सहित ड्राइवर घायल

चूरू सड़क मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

रतनगढ़, (निसं)। चूरू सड़क मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक ने बारातियों से भरी एक कार को टक्कर मार दी। घटना में कार में सवार आठ बालिकाओं सहित कार ड्राइवर घायल हो गया, जिन्हें रतनगढ़ के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां पर उनका उपचार चल रहा है।

सूचना पर रतनगढ़ पुलिस जिला अस्पताल एवं मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बारात में शामिल बालिकाओं से भरी कार जैसे ही चूरू रोड पर आई, तो सामने से डीएपी से भरे अनियंत्रित ट्रक ने बारात की गाड़ी के टक्कर मार दी। घटना में गाड़ी में सवार आठ बालिकाओं सहित चालक घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई तथा घायलों को रतनगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना पर रतनगढ पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायल बालिकाओं का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। जिनकी हालत चिकित्सकों ने खतरे के बाहर बताई है।

स्टेडियम की बाहरी दीवार गिरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बरकततुल्ला खां स्डेडियम की बाहरी दीवार आज सुबह भरभरा कर गिर गई। दीवार के बाहर कई सारे चौ पहिया वाहन खड़े थे। जिससे वे क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। दीवार रेलिंग समेत गिरी और वाहनों पर चकनाचूर कर दिया। कई गाडिय़ों के शीशे फू टने के उनके बोनट का बुरी तरह नुकसान पहुंचा। बाद में नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ के अलावा कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके का जायजा लेने पहुंचे।

■ **हादसे में एक साथ दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त**

शुक्रवार की सुबह बरकततुल्ला खां स्टेडियम की बाहरी दीवार जोकि कल्पतरू सिनेमा वाली रोड पर है। वह भरभरा कर गिर गई। दीवार के पास में हालांकि कोई नहीं था, जिससे जनहानि होने से बच गई। मगर दीवार के पास में कई लोगों के चौपहिया वाहन खड़े थे जोकि बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यह वाहन स्टेडियम के सामने चल रहे अस्पतालों और काबोरियों के थे जोकि पार्क रहते है। अचानक से दीवार के गिरने से धमाकों की आवाज हुई। दीवार गिरने से वाहनों के बोनट को नुकसान पहुंचने के साथ गाड़ियों के शीशे टूट कर बिखर गए। नगर निगम सहित जेडीए आदि के अफसर घटनास्थल पर जायजा लेने के आए।

ए.एस.पी. दिव्या मित्तल को हाईकोर्ट से जमानत

अजमेर, (कासं)। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में निलंबित एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। न्यायाधीश सीके सोनगरा ने मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद जमानत के आदेश दिए। राजस्थान हाईकोर्ट से 2 करोड़ की रिश्वत के मामले में निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल को जमानत मिली है। जस्टिस सीके सोनगरा ने जमानत के आदेश दिए है। मामले में आरोप पत्र पेश होनेके बाद जमानत मिली है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने पैरवी की। एसीबी ने 16 जनवरी को दिव्या मित्तल को गिरफ्तार किया था। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है।

■ **दो करोड़ रुपये की घूस लेने का मामला**

पर्सनल लाइफ भी कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ी:- मालूम हो कि दो करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में एसीबी की की गिरफ्त में आई एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल का विवादों से गहरा नाता रहा है। प्रोफेशनल ही नहीं दिव्या की पर्सनल लाइफ भी कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ी हुई है। उसने अपने लिव-इन पार्टनर से मंदिर में शादी की। कुछ समय बाद उससे तलाक हो गया। दिव्या के पिता ने दहेज का मुकदमा भी कराया था। इतना ही नहीं अपनी कारगुजारी से दिव्या एक बार एपीओ भी हो चुकी है। दिव्या से जुड़े लोगों ने बताया कि वह हमेशा से लग्जरी लाइफ स्टाइल का शौक रहा है। उदयपुर में एक रिसॉर्ट नेचर हिल पैलेस के बारे में तो ज्यादातर लोगों को पता है, लेकिन इसके अलावा भी कई प्रॉपर्टी है।

16 जनवरी को किया था एसीबी ने गिरफ्तार:- एसीबी ने 16 जनवरी को दिव्या मित्तल को गिरफ्तार किया था। प्रतिबंधित दवाओं के मामले की जांच में दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। 2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में एसीबी की गिरफ्त में आई एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल का विवादों से गहरा नाता रहा है। एसीबी ने एएसपी दिव्या कई ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया थ, झुंझुनूं के चिड़ावा कस्बे में भी उनके निवास पर करीब 8 घंटे तक सर्च की करवाई चली थी। चिड़ावा में एएसपी दिव्या मित्तल का पैतृक मकान है, यहां पर दिव्या मित्तल के माता-पिता रहते है। गौरतलब है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिव्या मित्तल का परिवार मूल रूप से हरियाणा निवासी है, मगर कई दशकों से उनका परिवार चिड़ावा में रह रहा है।

अवैध स्काई टावर बिल्डिंग निर्माण का मामला सी.एम.ओ. पहुंचा

अजमेर, (कासं)। अजमेर के प्रगति नगर कोटड़ा क्षेत्र में बनाई गई बहुमंजलिा स्काई टावर बिल्डिंग के अवैध निर्माण का मामला सीएमओ पहुंच गया है। भारतीय पब्लिक लेबर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल साहू ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री से मामले में उच्च स्तरीय जांच व कार्रवाई की मांग की।

साहू ने बताया कि प्रगति नगर कोटडा स्थित अजमेर विकास प्राधिकरण की करोड़ों की भूमि पर नियम विरुद्ध लगभग 13 मंजिला बहु-आवासीय स्काई टावर बिल्डिंग बनाई गई। उक्त बहुमंजिला बिल्डिंग के निर्माण के दौरान सरकारी कार्मिकों की मिलीभगत के चलते राजस्थान बिल्डिंग बायलॉज कि कई प्रकार से अनियमितता भी बरती गई है। साहू ने शिकायत में बताया कि प्रगति नगर कोटड़ा क्षेत्र में बनाई गई 13 मंजिला बहुआवासीय स्काई टावर बिल्डिंग नियम विरुद्ध बनाई गई। उक्त बहुमंजिला बिल्डिंग के नियम विरुद्ध निर्माण की शिकायत पर पूर्व में जिला कलेक्टर अजमेर ने जांच कार्रवाई के आदेश अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव एवं नगर निगम अजमेर की उपायुक्त को दिए थे, लेकिन कलेक्टर के आदेश के बाद भी आज तक जांच कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। साहू ने बताया कि मामले को लेकर जिला कलेक्टर की ओर से नगर निगम अजमेर के उपायुक्त को 24 जनवरी व 22 फरवरी 2023 को पत्र प्रेषित कर आवश्यक एवं समुचित कार्रवाई के नोटिस जारी किए गए थे।

आर.टी.एच. बिल का विरोध

डूंगरपुर, (नि.सं.)। राजस्थान सरकार द्वारा राइट टू हेल्थ बिल पारित करने के विरोध में विगत 13 दिनों से हड़ताल पर उतरे निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों ने शुक्रवार को नया असपताल चौराहा पहुच केंडल जला कर विरोध प्रदर्शन किया तथा सरकार से उक्त बिल को निजी चिकित्सालयों एवं जनता के हित में नही बताया ओर से तत्काल वापस लेने की मांग की। डॉक्टर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ दलजीत यादव के नेतृत्व में सरदार वल्लभभाई पटेल सर्कल पर पहुचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी तथा केंडल जला कर विरोध दर्ज कराया।

सोलह लोगों के खिलाफ घर बदर करने का मामला दर्ज

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को विवाहिता ने सास-ससूर सहित सोलह लोगों के खिलाफ घर बदर करने व दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया।

■ **विवाहिता ने सास-ससुर पर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया**

पुलिस ने अनुसार अनिता (31) पत्नी जितेन्द्र कुमार पुत्री नारायण लाल, निवासी- न्यू रामदेव, कॉलोनी केशव भवन, जालोर, तहसील व जिला जालौर ने रिपोर्ट पेशकर बताया कि 25 जून 2011 को जितेन्द्र कुमार के साथ हिन्दू रिति रिवाज के साथ हुई थी। विवाह प्रार्थीया के परिवार वालों ने अपनी हैसियत से अधिक सोने-चान्दी के जेवरात व स्त्रीधन को सुपुर्द किये थे, जो सभी जेवरात व स्त्रीधन आरोपियो के कब्जे में ही है। 2017 से ही प्रार्थीया को आरोपियो ने दहेज की नाजायज मांग कर मारपीट कर घरबदर कर दिया। जिसके बाद प्रार्थीया ने पारिवारिक न्यायालय में हिन्दू विवाह दाम्पत्य सम्बन्धो की पून:स्थापना का प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिस पर पारिवारिक न्यायालय जालोर में 30 जनवरी 2023 को प्रार्थया के पक्ष में मुलजिम के विरुद्ध लगातार पून: दाम्पत्य सम्बन्ध स्थापित करने का आदेश पारित किया था, जिस आदेश पर कोई स्थगन नहीं है। आज दिन तक किसी भी न्यायालय व सामाजिक रूप से तलाक नही हुआ है। जिस बात की जानकारी समस्त मुलजिमानो को होने के बावजूद भी सब मुलजिमानों ने एकराय होकर छलकपट से प्रार्थीया व दोनो मासुम बच्चों की जिन्दगी खराब करने एवम प्रार्थीया के सोने-चान्दी के जेवरात हडप कर 22 फरवरी को गैर कानूनी रूप से जितेन्द्र कुमार ने॰ अरूणा के साथ विवाह करवा दिया। जिस गैर कानूनी विवाह करवाने में सभी मुलजिमानों का सहयोग रहा है।

पुलिस ने बताया कि जितेन्द्र कुमार पुत्र दलाभाई राव (पति), दलाभाई पुत्र केशभाई (ससुर), जवरी पत्नी दलाभाई (सांस), प्रमोद पत्नी मुकेश कुमार (ननद), मंजू देवी पत्नी जयंतीलाल (काकीसास), रेखा देवी पत्नी धमेन्द्र (देवरानी), कान्तीलाल पत्नी मोरकी देवी (काका ससुर), विरमाराम पत्नी जमना देवी (बडा ससुर), जातियान राव, निवासीगण न्यू रामदेव कॉलोनी, जालोर,अरुणा पुत्री मग्नीराम गैर कानूनी जितेन्द्र राव (गैर कानूनी पत्नी), मग्नाराम पुत्र लालाराम (अरुणा का पिता), सीता पत्नी मग्नाराम (अरुणा की माता), प्रकाश पुत्र मग्नाराम (अरुणा का भाई), चन्द्रा पत्नी प्रकाश (अरुणा की भाभी), विनोद पुत्र मग्नाराम (अरुणा का भाई) ,कंचन पुत्र खेमराज (अरुणा कि भाभी) , विमला पुत्री भग्नाराम (अरुणा कि बहिन) जातियान राव, निवासीगण- चांचोडी, तहसील रानी, जिला पाली के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

पेंथर ने चार मवेशियों का शिकार किया

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे के मोडी घाटा गांव में आए पेंथर ने मकान में घुस कर मवेशियों का शिकार किया। इस दौरान चार मवेशियों की मौत हो गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर कार्यवाही की।

प्रापत जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर में गोगुन्दा कस्बे के मोडी घाटा गांव में आए पेंथर ने देवीसिंह व खेमसिंह के मकान की केलूपोश छत को फाड कर पेंथर ने अंदर घुर कर बकरियों का शिकार किया। जिससे छह बकरियों की मौत हो गई। हादसे को पता चलने पर ग्रामीणों में भय होने से वे पेंथर को पकडने के लिए पिजरा लगाने की मांग कर रहे है। इधर सूचना मिलने पर क्षैत्रिय वन अधिकारी रवि माथुर के निर्देश पर वन नाका गोगुन्दा से नरेन्द्र गोस्वामी, धमेन्द्र मीणा, रमेश गोस्वामी मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना हालात की जानकारी दी तथा पशु चिकित्सकों को बुलवा कर मृतक मवेशियों का पोस्टमार्टम करवाया।

क्षैत्रिय वन अधिकारी रवि माथूर ने बताया कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीम पेंथर की मुवमेंट पर नजर रखे हुए है। पेंथर का मुवमेंट बदले एवं उससे बचाव के लिए ग्रामीणों को अनावश्यक बाहर नही निकलने, मकानों के आस पास आग लगाने, पटाखे फोडने सहित अन्य आवश्यक जानकारी दी गई है। आवश्यकता होने पर पिंजरा लगाया जाएगा। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आते ही सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजें की कार्यवाही की जावेगी।

अजमेर में गहलोत के सभा स्थल पर तेज बारिश और ओले गिरे

कांग्रेस कार्यकर्ता कुर्सियां सर पर उठाकर बारिश से बचे

अजमेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज संभाग स्तरीय कार्यकम को संबोधित करने अजमेर पहुंचे लेकिन अशोक गहलोत के कार्यकम स्थल पर पहुंचते ही तेज बारिश व ओले गिरने से कार्यक्रम में खलल पड़ गया। कांग्रेसी कार्यकर्ता जिन कुर्सियों पर बैठे थे, उन्हे ही पहले तो छाता बनाकर कर बरसात से बचाव किया और उसके बाद उन कुर्सियो को लेकर वहां से रवाना हो गए। यह पूरा वाक्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी में ही चलता रहा। कार्यकर्ताओं को कुर्सियों लेकर भागता देख कांग्रेसी नेताओं के हाथपांव फूल गए और आनन फानन में कुछ नेता कार्यकम स्थल के गेट पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता नही रुके। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क पर लगे बैनर पोस्टर भी फाड दिए।

भारी बरसात के बीच की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संबोधन दिया और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की इस बात को लेकर तारीफ़ भी कि भारी बारिश के बीच भी उनका जो जज़्बा है वह क़ाबिल` तारीफ़ है। कार्यकम को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की राजस्थान सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं । इस कार्यकर्ता सम्मेलन को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़, कांग्रेस के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

कार्यकम के बाद मीडिया से बातचीत में गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया और आरोप ल गाया कि भाजपा के शासन काल में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और नतीजा देश का संविधान और ल ोकतंत्र अब खत़रे में हैं। राहुल गांधी जिस तरह से अडाणी का मुद्दा उठाया उसका सरकार को जवाब देना चाहिए था। लोकतंत्र में पक्ष विपक्ष भी है। संसद में जवाब दिया नही उन्हें संसद की सदस्यता से ही बाहर कर दिया। इन सब से राहुल गांधी को फर्क नही पडता लेकिन इन बातों का मोदी सरकार पर फर्क पड़ता है। देश के हालात चिंताजनक है। भाजपा द्वारा हिंदू राष्ट्र बनाए जाने की बात कहीं जाने की वजह से ही पंजाब में अमृतपाल खालिस्तान की बात कर रहा है।

कार्यकर्ता ने लगाए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के नारे :- तेज बारिश के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता एक ओर जहां बारिश से बचने के लिए कुर्सियों को उल्टाकर बारिश से बच रहे थे तो वही एक कार्यकर्ता ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिस तरह से यह कुर्सियों उल्टी हुई है । उसी तरह यह सरकार भी उलट चुकी है। इसके बाद कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में :- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अजमेर दौरे के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान की बदहाल चिकित्सा,कानून व शिक्षा व्यवस्था सहित पेपरल ीक मुद्दों पर ज्ञापन देने की तैयारी में थे। लेकिन अजमेर पुलिस ने एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आशुराम डूकिया को लॉ कॉलेज से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद छात्रों में आकोश ओर बढ गया। छात्र सीएम को ज्ञापन देने के लिए पुलिस लाईन चौराहे पर पहुंचे जहां से पुलिस ने एमडीएस छात्रसंघ अध्यक्ष महिपाल गोदारा, महानगर सहमंत्री उदय सिंह शेखावत, छात्रसंघ महासचिव अंकित शर्मा, बंटी गुर्जर को हिरासत में लिया।

कार्यकर्ताओं ने कुर्सियों को अपने ऊपर लगाकर बारिश से बचाव किया।

■ **बैनर-पोस्टर फाड़कर बारिश से बचाव किया**

'राइट-टू-हैल्थ' विधेयक के विरोध में मशाल जुलूस निकालेंगे निजी चिकित्सक

300 डॉक्टर्स का दल सीकर पहुंचा, जो कि अगले 7 दिन तक लोगों से मुलाकात कर 'राइट-टू- हैल्थ' विधेयक का नुकसान बताएंगे

- सवाई मानसिंह अस्पताल और इससे संबद्ध अस्पतालों में शुक्रवार को 550 रेजीडेंट डॉक्टर्स ने सेवाएं दीं
- आंदोलनकारी डॉक्टर्स ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा से मुलाकात करके 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर आपत्तियां रखी, जिस पर डोटासरा ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर राज्य सरकार और निजी चिकित्सकों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर न तो सरकार झुकने को तैयार है और न ही चिकित्सक। इसका नतीजा यह है कि पिछले 13 दिनों से राज्य के अधिकांश निजी अस्पतालों में हजारों मरीज उपचार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। हालांकि सरकारी अस्पतालों में कुछ रेजीडेंट डॉक्टर्स के काम पर वापस लौटने पर मरीजों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन यह व्यवस्था नाकाफी है।

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा का दावा है कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल और उससे संबद्ध हॉस्पिटलों में शुक्रवार को करीब 550 रेजीडेंट्स ने चिकित्सा व्यवस्था संभाली। साथ ही छोटे-बड़े 1 हजार से ज्यादा ऑपरेशन भी हुए है। जबकि गुरूवार को इन रेजीडेंट डॉक्टर्स की संख्या 365 थी, ऐसे में एक ही दिन में करीब 200 चिकित्सकों के काम पर वापस लौटने से थोड़ी राहत मिली है। उधर कोटा की डॉ. नीलम खंडेलवाल लगातार तीसरे दिन भी 'राइट-टू-हैल्थ' बिल के विरोध में आमरण अनशन पर बैठी रही।

प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय कपूर का कहना है कि शुक्रवार को 300 से ज्यादा चिकित्सक जयपुर से सीकर के लिए रवाना हुए है। यह डॉक्टर्स मशाल जुलूस और जागरूकता रैली निकालकर लोगों को 'राइट-टू-हैल्थ' बिल की खामियां बतायेगी। डॉ.कपूर ने बताया कि अगले 7 दिनों तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनजागरण अभियान कर हम लोगों को इस बिल से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। राज्य सरकार, टैक्स पेयर्स के पैसे से लाखों रुपये के विज्ञापन देकर जनता को गुमराह कर रही है। जनता को राहत देने के बजाय यह क़ानून उनकी परेशानियां बढ़एगा और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर देगा।

आंदोलनकारी चिकित्सकों ने शुक्रवार शाम को जयपुर में यूनाइटेड मेडिकोज रैली का आयोजन रखा, जिसे देखते हुए प्रशासन ने जे.एल.एन. रोड पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया। यह पुलिस टीमें सवाई मानसिंह अस्पताल के पीछे बने रेजीडेंट डॉक्टर्स के हॉस्टल के बाहर तैनात की गई है। जिससे एकबारगी तो हड़कंप मच गया।

शुक्रवार सुबह आंदोलनरत डॉक्टर्स ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से भी मुलाकात की। इस दौरान डॉक्टर्स ने 'राइट-टू-हैल्थ' बिल को लेकर डोटासरा के सामने आपत्तियां रखी। जिस पर डोटासरा ने अधिकारियों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेने की बात कही। ज्ञात रहे कि गुरुवार दोपहर में प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसायटी के पदाधिकारियों ने बैठक कर मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। जिसके बाद डॉक्टर्स का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचा था। जहां डॉक्टर्स की ओर से वीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री तक डॉक्टर्स की मांग पहुंचाई। जिस पर सीएम ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को डॉक्टर्स की समस्या सुनने के लिए अधिकृत किया था।

प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के सेक्रेटरी डॉ. विजय कपूर ने बताया कि प्रदेशभर में प्राइवेट हॉस्पिटल ने सरकारी स्कीम्स को बंद करने की लिखित सहमति दे दी है। ऐसे में 1 अप्रैल से राजस्थान के सभी के प्राइवेट हॉस्पिटल में सरकारी स्कीम्स के मास डीएम्पेनेलमेंट की कार्रवाई को पूरा कर लिया जाएगा। कपूर ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल भी जारी है। सरकार के दबाव में कुछ रेजिडेंट भले ही काम पर लौट गए हों, लेकिन अधिकांश ने अपनी हड़ताल को जारी रखा है। जब तक सरकार हमारी मांग को पूरा नहीं कर देती हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

जयपुर शहर एक ही रहना चाहिए : सचिन पायलट

ज़यपुर को एक जिला बनाए रखने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर। प्यारो जयपुर अभियान से जुडे जयपुर के प्रबुद्धजनों ने आज पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं किशनपोल से विधायक अमीन कागजी से मुलाकात कर जयपुर शहर के दो हिस्से ना करने देने का ज्ञापन दिया। इस अभियान की अगुवाई कर रहे सुनील कोठारी व अभियान से जुडे कांग्रेस के नेता सुरेश मिश्रा, ज्योति खंडेलवाल व सुनील शर्मा ने सचिन पायलट को जयपुर के दो हिस्से कर दो नए जिले बनाए जाने की घोषणा से जयपुर पर पडने वाले प्रभाव की वस्तु स्थिति से अवगत करवाया। सचिन पायलट ने इस बात पर सैद्धांतिक सहमति प्रकट की जयपुर शहर एक ही रहना चाहिए और इस विषय पर वो सरकार को जनता की भावनाओं का ध्यान में रखकर कोई निर्णय करने के लिए कहेंगे और इस आशय का एक पत्र सरकार को लिखेंगे।

विधायक अमीन कागजी ने कहा की शहर से मेरा और मेरे परिवार का भी भावनात्मक लगाव है व जयपुर शहर के दो हिस्से ना हो इस बात से मैं भी सहमत हूँ और इस विषय पर बहुत जल्दी वो मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय पर बात करेंगे।

प्रतिनिधि मंडल में सुनील कोठारी, ज्योति खंडेलवाल, सुरेश मिश्रा, सुनील शर्मा, शरद खण्डेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, पार्षद विमल अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, जयपुर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष ललित सिंह सांचोरा, जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी, जयपुर व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष भंवरसिंह शेखावत, पार्षद स्वाति परनामी, विष्णु जायसवाल, महेंद्र यादव, महेश सैनी, महेंद्र लोहिया, अशोक भगत, धनंजय सिंह, देवेंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह चौधरी, एड प्रकाश ठाकुरिया, रेशी शर्मा, शशिकांत जोशी, राजकुमार अजमेरा, गिरधारी लाल कुमावत, एड जुगल किशोर शर्मा, आनन्द सिंह राठौड, गोपाल अग्रवाल, भगवान दास वर्मा, महेंद्र सिंह पंवार, तरूण रावत, गोपाल कोठारी, एड तपेश अग्रवाल, भूषण शर्मा, सुनील चौधरी, राजेश वर्मा, नितेश शर्मा, दिलीप शर्मा, धनराज सोलंकी, राजीव शर्मा, मुकेश, हिमांशु रायसरिया, जितेन्द्र शर्मा, मनीष सोनी, योगेश वैष्णव, हर्षवीर सिंह भाटी, भुवनेश जैमिनी, पवन रावत, ओम प्रकाश कुमावत, राजेंद्र सिंह राजावत, हिमांशु रामसरिया, गुलाब सिंह, अशोक वर्मा, एड विष्णु खंडेलवाल, एड तुलिका सैनी, सतीश अग्रवाल, लाल चंद लखेरा, आनन्दी लाल, सौरभ शर्मा निम्न लोग शामिल थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी.जोशी से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जयपुर स्थित निवास पर मुलाकात की। पूनियां ने सीपी जोशी का स्वागत-अभिनंदन किया और उन्हें श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सीपी जोशी के नेतृत्व में भाजपा को प्रदेश में और अधिक मजबूती मिलेगी।

'ललित मोदी ने भी राहुल गांधी के खिलाफ यूके की कोर्ट में जाने का निर्णय किया'

- दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार बताए कि क्या ललित मोदी उनके एजेंट हैं

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी ने जिन ललित मोदी को आधार बनाकर मोदी सरनेम पर टिप्पणी की थी। इतना ही नहीं, जिस मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के दावे के तौर पर 2 साल की सजा और लोकसभा की सदस्यता खोने तक पहुंच गई। अब उन ललित मोदी ने भी राहुल गांधी के खिलाफ यूके की कोर्ट में जाने का निर्णय किया है। ललित मोदी के कोर्ट में जाने की बात तथा मुकदमें की धमकी पर दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा कि केंद्र सरकार यह बताए कि क्या ललित मोदी उनके एजेंट हैं, जो इस तरह की बात कर रहे हैं।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जब ललित मोदी देश से भाग रहे थे और देश की तमाम एजेंसिया उनके पीछे थीं, तो क्या ये एजेंसियां गलत थीं। यह तो चोर मचाए शोर वाली कहावत हुई। एक आरोपित व्यक्ति जिसके खिलाफ देश की तमाम एजेंसियों ने भ्रष्टाचार के मुकदमे किये हैं, क्या ऐसे व्यक्ति की बात भी अब देश में सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि ललित मोदी पर देश के करोड़ों रुपए ले जाने के गंभीर आरोप है।

हुड्डा ने कहा कि ललित मोदी को देश की जांच एजेंसियों ने भगोड़ा तक घोषित कर दिया है। उन्हें लेकर देश की सरकार जो यह कहती थी कि इनको वापस ले आएंगे, वो सरकार अब इस बात का जवाब दें कि कैसे ललित मोदी बाहर बैठकर इस तरह से स्टेटमेंट दे रहे हैं।

आतंकवाद भारत और इज़राइल दोनों के लिए चिंता का विषय है : ओम बिरला

जयपुर, (का.सं.)। उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति तथा लोक सभा अध्यक्ष के संयुक्त निमंत्रण पर, इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना के नेतृत्व में एक इजरायली संसदीय शिष्टमंडल 31 मार्च से 4 अप्रैल तक भारत का दौरा कर रहा है।

इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना द्वारा पदभार ग्रहण किए जाने के बाद स्पीकर के रूप में उनकी यह पहली विदेश यात्रा है। आज शिष्टमंडल के सदस्यों ने संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला से मुलाकात की। बिरला ने भारत में शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि इज़राइल और भारत के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। बिरला ने यह भी कहा कि भारत और इज़राइल, दोनों की मजबूत लोकतांत्रिक विरासत रही है और साथी लोकतंत्र के रूप में दोनों देशों में कई समानताएं हैं, जिसमें विविध संस्कृतियों का सम्मान करना, लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करना और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुसार काम करना शामिल है। बिरला ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और इजराइल के बीच संबंध और अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

बिरला ने आतंकवाद के बढ़ते संकट के बारे में बात करते हुए कहा कि आतंकवाद भारत और इज़राइल, दोनों ही देशों के लिए चिंता का विषय है। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और इज़राइल जैसे लोकतांत्रिक देशों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और इज़राइल की साझी रणनीति आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दुनिया को नई दिशा देगी।

इस अवसर पर आमिर ओहाना ने कहा कि भारत और इजराइल दोनों पुरानी सभ्यताएं हैं और समय के साथ दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने भारत में हो रही प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत सभी क्षेत्रों में असाधारण गति से आगे बढ़ रहा है। ओहाना ने आशा व्यक्त की कि भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे और दोनों देश मिलकर वैश्विक चुनौतियों से निपटेंगे। इस अवसर पर दोनों देशों की संसदों के बीच सहयोग बढ़ाए जाने के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। शिष्टमंडल के सदस्यों ने राजघाट में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

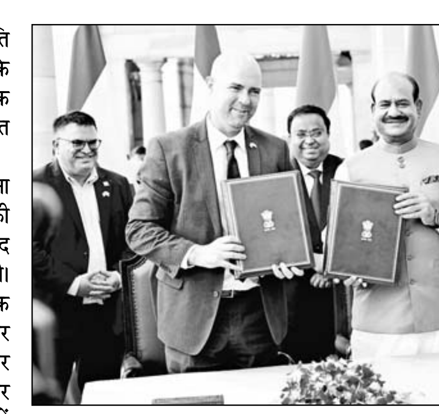

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शुक्रवार को इज़राइल के नेसेट (संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की।

एक कैबिनेट मंत्री और दो विधायकों की सिफारशी से मिली भाजपा नेता को नियुक्ति

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार में भाजपा नेताओं को राजनीतिक नियुक्तियां देने का मामला लगातार चल रहा है और यह विवाद थम नहीं रहा है। इसी विवाद में जब पिछले दिनों जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद पर भाजपा नेता की नियुक्ति को लेकर छानबीन की गई, तो पता चला कि इस भाजपा नेता की नियुक्ति के लिए कांग्रेस की राज्य सरकार के एक कैबिनेट मंत्री और 2 विधायकों ने अपने लेटर हेड पर बाकायदा सिफारिश की थी। जिसके आधार पर इस भाजपा नेता को कांग्रेस सरकार ने नियुक्ति दी है। कैबिनेट मंत्री 2 विधायकों के पत्र सामने आने के बाद इस विवाद को और हवा लग गई है।

उल्लेखनीय है कि जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर द्वितीय के अध्यक्ष पद पर भाजपा एसटीमोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी ग्यारसी लाल मीणा की नियुक्ति की गई थी।

यह नियुक्ति सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई बताते हैं। वही जब इस नियुक्ति के बारे में संबंधित विभाग खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से बात की गई, तो उन्होंने भी इस नियुक्ति के बारे में उन्हें जानकारी होने से स्पष्ट इनकार किया था। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस से लेकर हाईकमान तक बवाल मचा था और कांग्रेस कार्यकर्ताओ नें पार्टी आलाकमान तक भाजपा कार्यकर्ता की नियुक्ति की शिकायत की थी। भाजपा नेता की नियुक्ति होने और विवाद होने के बावजूद सरकार व पार्टी स्तर पर ना तो नियुक्ति रद्द की गयी और ना ही जिम्मेदारो का पता लगाकर उन पर कार्रवाई की गयी। इस नियुक्ति के खिलाफ आवाज उठाने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ता एडवोकेट बलराम जाखड़ ने इसकी शिकायत दिल्ली तक की। जाखड़ का कहना है कि इस प्रकार की नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ता हताश और निराश है और अपने आप को ठगा सा महसूस करता है।

जाखड़ ने बताया कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के सामने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और भाजपाईयों और अफसरों की नियुक्ति का मामला कार्यकर्ता ने उठाया है। बलराम जाखड़ का कहना है कि सबसे ज्यादा निराशा और उपेक्षा तब होती है जब कांग्रेस के विधायक और मंत्री तक भाजपा वालो की नियुक्ति की सिफारिश करते हैं।

इसी क्रम में जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर द्वितीय के अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुये भाजपा पदाधिकारी की नियुक्ति की सिफारिश राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, कांग्रेस के जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक लक्ष्मण मीणा ने की।

प्रभारी रंधावा को कांग्रेस के कैबिनेट मंत्री और 2 विधायकों के सिफारिश पत्रो की प्रति उपलब्ध करवाते हुये बलराम जाखड का कहना है कि उक्त तीनो व्यक्तियो ने जानबूझकर सिफारिश की, जिससे सरकार की किरकिरी हुई है।

गौरतलब है कि ग्यारसी लाल मीणा भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी हैं और राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा की जनाक्रोश यात्रा में संयोजक के रूप में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। यह ऐसा पहला मामला नहीं है जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होते हुए भी भाजपा या अन्य पार्टियों के नेताओं की राजनीतिक नियुक्ति हुई हो। इससे पहले भी कई जिलों में मनोनीत पार्षद बनाए गए थे, उनमें कई जगह भाजपा नेताओं को पार्षद बनाया गया था। इसके बाद स्थानीय स्तर पर विरोध होने के बावजूद उन मनोनीत पार्षदों को हटाया नहीं गया था।

आईपीएल का पहला मैच : गुजरात टाइटंस ने चेन्नई को 5 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 31 मार्च। 2023 का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और 4 बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। 179 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस ने 4 गेंद शेष रहते मुकाबला जीत लिया।

इससे पहले शुभमन गिल 63 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें चेन्नई के इम्पैक्ट प्लेयर तुषार देशपांडे ने ऋतुराज गायकवाड के हाथों कैच कराया। इससे पहले, रवींद्र जडेजा ने कप्तान हार्दिक पंड्या (8 रन) को बोल्ड कर दिया। डेब्यू कर रहे उन्हें डेब्यू कर रहे राजवर्धन हंगरगेकर ने दो विकेट लिए। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर साई सुदर्शन (22 रन), रिद्धिमान साहा (25 रन) को आउट किया। ओपनर शुभमन गिल और इम्पैक्ट प्लेयर साई सुदर्शन ने 35 बॉल पर 53 रन की साझेदारी की। यहां सुदर्शन 22 रन बनाकर आउट हुए।

179 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात को शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 37 रन की पार्टनरशिप की, साहा 25 रन बनाकर राजवर्धन हंगरगेकर का शिकार हुए। गिल ने साई सुदरशन के साथ पारी आगे बढ़ाई और पावरप्ले के 6 ओवर में टीम का स्कोर 65 तक ले गए। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरे चेन्नई के बल्लेबाजों ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने सबसे ज्यादा 92 रन बनाए। मोइन अली ने 23 रन बनाए। मध्य क्रम पर शिवम दुबे ने 19 और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 14 रन बनाए। के लिए मोहम्मद शमी, राशिद खान और अल्जारी जोसेफ ने 2-2 विकेट लिए। चेन्नई सुपर किंग्स को ओपनिंग बैटर ऋतुराज गायकवाड ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले 23 बॉल में हाफ सेंचुरी पूरी की और फिर अपनी टीम का स्कोर 150 के पार ले गए। वह अंत में 50 बॉल पर 92 रन बनाकर अल्जारी जोसेफ का शिकार हुए। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 9 छक्के लगाए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत खराब रही। डेवोन कॉन्वे तीसरे ही ओवर में मोहम्मद शमी की बॉल पर बोल्ड हो गए। उनके बाद उतरे मोईन अली ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 17 बॉल में 4 चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पावर प्ले के आखिरी ही ओवर में मोईन राशिद खान की गेंद पर आउट हो गए। जिसके बाद टीम ने 6 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाकर अपना पावरप्ले खत्म किया।

आईपीएल के रंग में रंगी लखनऊ मेट्रो

पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग की मेजबानी कर रही नवाब नगरी लखनऊ में क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मैचों के दौरान क्रिकेट प्रेमियों की सुविधा के लिये लखनऊ मेट्रो ने मैच वाले दिन रात 1230 बजे तक संचालन जारी रखने की घोषणा की है। इसी क्रम में गुरूवार को लखनऊ सुपर जायंट्स थीम पर मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ।

आईपीएल के 9 कप्तान पहुंचे अहमदाबाद

अहमदाबाद, 31 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 16वां सीजन कल से शुरू हो रहा है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच पहला मैच खेला जाएगा। उससे पहले 9 टीमों के कप्तान अहमदाबाद पहुंचे। सभी ने ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाई।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस दौरान मौजूद नहीं रहे। ने अपने ऑफिशियिल सोशल मीडिया अकाउंट पर खिलाड़ियों के फोटो और वीडियो शेयर किए। वीडियो में हार्दिक पंड्या के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को गले लगाते नजर आए। खिलाड़ियों ने की मस्ती ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें सभी कप्तान एक-दूसरे के साथ मस्ती करते नजर आए। गुजरात के कप्तान हार्दिक के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को गले लगाते नजर आए। दिल्ली के डेविड वॉर्नर, चेन्नई के महेंद्र सिंह धोनी और राजस्थान के संजू सैमसन एक-दूसरे से चर्चा करते दिखे। कोलकाता के कप्तान नितीश राणा, सनराइजर्स के भुवनेश्वर कुमार, पंजाब के शिखर धवन और लखनऊ के केएल राहुल भी इस वीडियो में ट्रॉफी के साथ खड़े नजर आए। रोहित शर्मा बीमार होने के कारण ट्रॉफी के साथ फोटो शूट कराने नहीं पहुंचे। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद से कप्तान ऐडन मार्करम नहीं पहुंचे। वह साउथ अफ्रीका में ही हैं और नीदरलैंड के खिलाफ 2 वनडे की सीरीज में टीम का हिस्सा होंगे। उनकी जगह से भुवनेश्वर कुमार फोटो शूट कराने पहुंचे। हैदराबाद का पहला मैच 2 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू ग्राउंड पर होगा।

इस मैच में मार्करम अवेलेबल नहीं रहेंगे। उनकी जगह भुवी ही कप्तानी करेंगे। 7 अप्रैल को लखनऊ के खिलाफ मैच में मार्करम उपलब्ध रहेंगे। क्योंकि साउथ अफ्रीका-नीदरलैंड के बीच आखिरी मैच 2 अप्रैल को होगा। ऐसे में मार्करम टीम के साथ जुड़ जाएंगे। शुक्रवार को पहले मैच से पहले शाम 6:00 बजे से की ओपनिंग सेरेमनी भी होगी। इस सेरेमनी में के कप्तान धोनी और के कप्तान हार्दिक ही मौजूद रहेंगे।

इन्हीं 2 टीमों के बीच पहला मैच होगा। बाकी कप्तान अपने अगले मैच की तैयारी के लिए मैच वेन्यू के लिए रवाना हो जाएंगे।

विवेक के शानदार गोलों से वायुसेना को पूरे अंक

नई दिल्ली, 31 मार्च। प्लेयर आफ द मैच विवेक कुमार के मैच विजेता प्रदर्शन और दो शानदार गोलों की मदद से भारतीय वायुसेना पालम ने शुक्रवार को अजमल फुटबाल क्लब को 3-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन सुपर सिक्स में दूसरी जीत दर्ज की। पहले हाफ में वायुसेना ने हल्का प्रदर्शन किया और कीमत चुकाई। आदित्य साहा ने रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए बॉक्स के बाहर से नपेतुले शाट से गोली दिनेश को हैरान किया। पिछड़ने के बाद वायुसेना ने खेल पर पकड़ बनाई और अपने सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार के दर्शनीय गोल से 1-1 की बराबरी की। दूसरे हाफ के खेल में वायुसेना ने खेल पर नियंत्रण बनाया और दस खिलाड़ियों से खेलते हुए दर्शनीय जीत पाई।

ओपनिंग सेरेमनी : रश्मिका मंदाना ने किया नाटू-नाटू पर डांस, अरिजीत के गानों पर झूमे सवा लाख दर्शक

अहमदाबाद, 31 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग का 16वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। मुकाबले से पहले की ओपनिंग सेरेमनी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई। सेरेमनी देखने के लिए सवा लाख दर्शक स्टेडियम पहुंचे। मंदिरा बेदी ने करीब 55 मिनट चली ओपनिंग सेरेमनी को होस्ट किया। बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और रश्मिका मंदाना ने सेरेमनी ने धमाकेदार परफॉर्मेंस दी।बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह की परफॉर्मेंस के साथ ओपनिंग सेरेमनी शुरू हुई। उन्होंने केसरिया, लहरा दो, अपना बना ले, झूमे जो पठान, राबता, शिवाय, जीतेगा-जीतेगा, चढ़ेया डांस का भूत, राबता और शुभानल्लाह जैसे गानों पर परफॉर्मेंस दी। उन्होंने करीब आधे घंटे तक अपने गानों से दर्शकों को बांधे रखा। साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने श्रीवल्ली, नाटू-नाटू और ढोलिडा जैसे गानों पर डांस परफॉर्मेंस दी। उनसे पहले एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने 5 मिनट तक तूने मारी एंट्रियां और चौगाड़ा तारा जैसे गानों पर डांस किया। ओपनिंग सेरेमनी शुरू होने से पहले ही स्टेडियम के बाहर दर्शक अपनी टीमों को सपोर्ट करने के लिए पोस्टर्स लेकर पहुंचे।टूर्नामेंट के होम और अवे फॉर्मेट में होने के कारण सभी 10 टीमों के कप्तान ओपनिंग सेरेमनी में शामिल नहीं हुए। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी ही सेरेमनी में मौजूद रहेंगे। इन्हीं दोनों टीमों के बीच ओपनिंग सेरेमनी के बाद शाम 7:30 बजे से टूर्नामेंट का पहला मैच भी खेला जाएगा।

4 साल बाद हो रही ओपनिंग सेरेमनी

2019 में ओपनिंग सेरेमनी रद्द हो गई थी। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए हमले में के शहीद जवानों के परिवारों को ओपनिंग सेरेमनी में खर्च किया जाना वाला पैसा दिया गया था।

जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी तेज बारिश हुई। बेमौसम की यह बारिश किसानों के लिए किसी बड़े सितम से कम नहीं है। सीकर रोड पर स्थित कुकरखेड़ा अनाज मंडी की यह तस्वीर अपने आप यह हाल बयां कर रही है। जौं की फसल बेचने मंडी आये किसानों की मेहनत पर अंतिम क्षणों में बारिश ने पानी फेर दिया। मंडी में जगह नहीं मिलने के कारण किसानों को जौं की बोरियां खुले में ही रखनी पड़ीं। अपनी बारी आने और खरीददार मिलने का इंतजार कर रहे किसानों की जौं की बोरियां शुक्रवार को आई तेज बारिश में पूरी तरह से भीग गईं। फसल का सही भाव मिल सके इसके लिए कई किसानों ने सैम्पल के तौर पर काफी सारी जौं खुले में फैला रखी थी, लेकिन ऐन मौके पर आई बारिश ने उनकी महीनों की मेहनत को पूरा चौपट कर दिया। प्रदेश के किसानों के लिए 15 मार्च के बाद का समय बहुत विकट गुज़रा है, पहले ओलों व आंधी ने खड़ी फसलों को खेतों में ही नुकसान पहुँचा दिया और अब लगातार हो रही बारिश ने रही-सही कसर को भी पूरा कर दिया है।

नई विदेश व्यापार नीति घोषित, रूपये में ही कारोबार पर पूरा जोर रहेगा

भारतीय निर्यातकों को कोई सामान देश में लाए बगैर उसको तीसरे देश में निर्यात की छूट रहेगी, पूरे देश में डाक निर्यात केन्द्र खोले जायेंगे

- **सरकार ने माल एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।**

नई दिल्ली, 31 मार्च (वार्ता) माल एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचाने तथा रुपये में वैश्विक व्यापार को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तथा वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं के दौर में नीतिगत निश्चितता, स्थिरता तथा लचीलेपन के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ सरकार ने शुक्रवार को 'आज़ादी के अमृतकाल' की पहली 'विदेश व्यापर नीति' (एफटीपी) पेश की।परंपरा से हट कर नई एफटीपी-2023 में कोई 'सनसेट उपबंध'(पटाक्षेप की तिथि) नहीं रखी गयी है।

विदेश व्यापार नीति के मुख्य बिंदु-

1-नई व्यापार नीति में सनसेट क्लाज (पटाक्षेप) तिथि नहीं है।

2-वाणिज्य मंत्रालय का भविष्य की उभरती अवश्यकताओं के अनुसार पुनर्गठन।

3-ई-कामर्स निर्यात को विदेश व्यापार नीति के भी लाभों का पात्र बनाया गया। वेयर-हाउसिंग सुविधा के साथ ई-कामर्श निर्यात केंद्रों को प्रोत्साहन। वहां लेबलिंग, प्रोसेसिंग जांच और पैकिंग भी होगी।

4- पूरे देश में 'डाक निर्यात केंद्र' खोले जाएंगे।

5- कोई सामान देश में लाए बगैर उसको तीसरे देश में निर्यात की छूट। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन करने और कुछ अन्य शर्तों के साथ दूसरे देश से खरीदे माल को बाहर ही बाहर तीसरे देश में निर्यात करने की छूट से भारतीय निर्यातकों को गेहूं जैसी इस समय प्रतिबंधित जिंसों के निर्यात का अपना बाजार बनाए रखने की सुविधा होगी।

6- वैश्विक व्यापार में रुपये के प्रयोग को प्रोत्साहन देकर रुपए को वैश्विक स्तर पर स्वीकार मुद्रा बनाने का लक्ष्य। विदेशी विनियम संकट में फंसे देशों के साथ रुपये में व्यापार को प्रोत्साहन दे कर भारत के निर्यात बाजार के संरक्षण और संकटग्रस्त देश की मुश्किल में मदद की पहल।

7-वाराणसी , मिर्जापुर , मुरादाबाद और फरीदाबाद को निर्यात उत्कृष्टता वाले कस्बों (टीईई) की सूची में जगह। टीईई में साझा सेवा प्रदाताओं (सीएसपी) को ईपीसीजी योजना का लाभ।

8-बाजारों में प्रवेश की पहल (एमएआई) योजना का विस्तार। 9-राज्यों और जिलों को निर्यात संवर्धन में भागीदार बनाने लिए जिलों को निर्यात का केंद्र बनाने, जागरूकता बढ़ाने राज्य एवं जिला स्तर पर निर्यात संवर्धन समितियां बनाने की नीति। जिला स्तर पर क्षमता विस्तार किया जाएगा।

स्मॉल सेविंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप्रैल से 30 जून तक की तिमाही के लिए लघु बचत योजनाओं पर ब्याज की नई दरें जारी कर दी गयी है।

पिकअप-टैंकर की टक्कर में भाई-बहन समेत 5 की मौत

- **मृतकों में तीन बच्चे हैं तथा दो बालिकाएं गंभीर रूप से घायल हैं।**
- **पिकअप में एक ही परिवार के लोग थे और सभी खरीददारी खरीदने गए थे।**

जोधपुर, 31 मार्च (कासं)। जोधपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर पिकअप-टैंकर की आमने-सामने की टक्कर में भाई-बहन समेत 5 लोगों की मौत हो गई। इसमें 2 बच्चियां भी घायल हुई हैं। हादसा फलौदी में दोपहर 3 बजे हुआ। पिकअप सवार एक ही परिवार के है और घर में आने वाली नई बहू के लिए कपड़े खरीदने गए थे।

पुलिस ने बताया कि बाप में जांबा गांव के लोग कपड़े खरीदने फलौदी गए थे। खरीदारी कर लौटते समय हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और टैंकर के आगे के टायर निकल कर बाहर आ गए। हादसे के बाद टैंकर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

हादसे में पिकअप ड्राइवर पर्वत पुत्र जियाराम, उर्मिला (38) पत्नी हरीराम, विकास (20) पुत्र सुभाष, प्रवीण (12) पुत्र ओमप्रकाश और रवीना (12) पुत्री ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई।

घायल अर्पिता (15) पुत्री हरीराम विश्नोई और ईसानी (12) पुत्र श्याम लाल को फलौदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से अर्पिता को जोधपुर रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार सहीराम विश्नोई के बेटे रमेश का मुकलावा था। शुक्रवार सुबह परिवार मुकलावा करने के लिए बीकानेर चला गया था। रमेश की चाची उर्मिला ने नई बहू के स्वागत के लिए खरीदारी के लिए कहा। इस पर 4 लोग उर्मिला, ड्राइवर पर्वत और विकास और ईसानी फलौदी गए थे। वापसी में ओमप्रकाश के बेटे-बेटी और भांजे को पिकअप में बैठा लिया। हादसे में तीनों बच्चों की मौत हो गई।

हादसे में मरने वाले रवीना और प्रवीण भाई-बहन है। हादसे के बाद घर में कोहराम मच गया।

'बम ब्लास्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बांटने की राजनीति की है, वर्ष 1984 में सिख भाई-बहनों का नरसंहार कांग्रेस के शासन में हुआ, आतंकवादियों को प्रश्रय व सरंक्षण कांग्रेस सरकार के समय दिया गया। शांति प्रिय राजस्थान में साढ़े चार वर्ष से सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों को सरकार संरक्षण मिला हुआ है, कांग्रेस सरकार के खत्म होते जनाधार के कारण मुख्यमंत्री गहलोत कभी तुष्टिकरण की राजनीति करते है, तो कभी खालिस्तान की बात करते हैं।"

सी.पी. जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 156 सीट जीतने की बात करते हैं, जबकि गहलोत के दो बार के कार्यकाल में कांग्रेस विधानसभा की 21 और 56 सीटें ही जीत पाई और प्रदेश के आज के हालात देखकर लगता है कि अबकी बार 21 सीट भी नहीं जीत पाएगी। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जनता से कई वादे किए थे, जिनमें किसानों से ऋण माफी, बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता, संविदाकर्मियों के नियमितिकरण, कानून व्यवस्था सहित अपराध को रोकने एवं महिला सुरक्षा के वादे शामिल थे, लेकिन राज्य की गहलोत सरकार ने ये वादे पूरे नहीं किए। राजस्थान की जनता कांग्रेस सरकार को वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जवाब देगी, भाजपा को प्रचंड जनादेश मिलेगा।

कोलंबिया से भारत आयेंगे 60 हिप्पो

नामीबिया से आये चीतों के सफल पुनर्वास से उत्साहित होकर सरकार ने यह फैसला किया है

नई दिल्ली, 31 मार्च। मध्यप्रदेश के कूनो अभ्यारण्य में अफ्रीका से चीतों के आने के बाद अब कोलंबिया से 70 हिप्पो भारत लाए जाएंगे। इन हिप्पो की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि इन्हें दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। इसी के तहत एक बड़ी संख्या यानी 70 कोकीन हिप्पो को भारत लाया जाएगा और एक अभ्यारण्य में रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 70 'कोकीन हिप्पो' को स्थानांतरित करने की योजना है। इनमें से 60 भारत लाए जाएंगे। दरअसल, ये हिप्पो ड्रग स्मगलर पाब्लो एस्कोबार के प्राइवेट चिड़ियाघर में रहे जानवरों के वंशज हैं। इसी कारण से इन्हें कोकीन हिप्पो कहा जाता है। इन्हें स्थानांतरित करने में 35 लाख डॉलर का खर्च आएगा। यह योजना कोलंबियाई कृषि संस्थान, कोलंबिया वायु सेना और मैक्सिको में ओस्टोक अभ्यारण्य समेत विभिन्न संस्थान के साथ स्थानीय एंटीऑक्विया सरकार की ओर से किए गए समझौते का हिस्सा है। अभ्यारण्य 10 दरियाई घोड़ों को ले जाएगा। जबकि शेष 60 को भारत के एक अभ्यारण्य में लाया जाएगा।

पाब्लो एस्कोबार के इलाकों से होते हुए ये जानवर खेत में दूर तक फैल चुके हैं। अधिकारियों की ओर से इनकी आबादी कंट्रोल करने के लिए तरह.तरह के उपाय अपनाए गए, लेकिन इसके बावजूद भी इनकी संख्या 130 से 160 हो गई है। मूल हिप्पो विदेशी जानवरों के चिड़ियाघर का हिस्सा थे। जिसे पाब्लो एस्कोबार ने 1980 के दशक में बनाया था। 1993 में उसकी मौत के बाद ज्यादातर जानवरों को अधिकारियों ने स्थानांतरित कर दिया, लेकिन परिवहन की कठिनाई के कारण उन्होंने हिप्पो को नहीं हटाया।

तभी से इन हिप्पो ने तेजी से प्रजनन किया। स्थानीय मैग्डेलेना नदी के बेसिन के साथ उन्होंने अपना विस्तार किया। देखते ही देखते हिप्पो स्थानीय लोगों और अधिकारियों के लिए एक पर्यावरणीय चुनौती बन गए। 10 हिप्पो मैक्सिको में भेजे जाएंगे।

'प्र.मंत्री का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि क्या देश को यह जानने का अधिकार नहीं है कि उनके प्रधानमंत्री कितने शिक्षित हैं? कोर्ट में उनकी डिग्री दिखाए जाने का उन्होने जोरदार विरोध किया, क्यों? और डिग्री दिखाने को कहने वाले व्यक्ति पर जुर्माना लगाया? ये हो क्या रहा है। एक अनपढ़ या कम पढ़ा लिखा प्रधानमंत्री देश के लिए खतरनाक है!

वर्ष 2016 में आर.टी.आई. के तहत पूछे गए सवाल के लिए सैन्ट्रल इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने प्रधानमंत्री कार्यालय, गुजरात युनिवर्सिटी और दिल्ली युनिवर्सिटी को निर्देश दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी की ग्रैजुएशन और पोस्ट ग्रैजुएशन डिग्री के बारे में जानकारी दें।

गुजरात युनिवर्सिटी ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव दस्तावेजों में लिखा है कि उन्होने 1978 में गुजरात युनिवर्सिटी से ग्रैजुएशन किया था फिर 1983 दिल्ली युनिवर्सिटी से एम.ए. किया था। अगर कोई निर्वाचित प्रतिनिधि हलफनामे के जरिए कोई दावा करता है तो प्राकृतिक न्याय का सिद्धान्त मांग करता है कि ऐसे दावे को संस्थान, जहां से संबंधित दावा किया गया है, पारदर्शी प्रक्रिया से सत्यापित करे।

इस बार फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस पर हमला हुआ।

ममता बनर्जी ने सुभेन्दु अधिकारी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि बंगाल के कई जगहों पर हुई हिंसा में अधिकारी का हाथ है। उन्होने कहा कि रामनवमी से ठीक पहले अधिकारी ने अमित शाह से मुलाकात की थी। सुभेन्दु अधिकारी तृणमूल के खिलाफ भाजपा के सब से सशक्त नेता हैं।

इसी बीच केन्द्रीय गृह मंत्री ने राज्य के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से बात की और राज्य की कानून व्यवस्था पर जानकार मांगी। राज्यपाल एक-दो दिन में दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर सकते है। इसी बीच सोशल मीडिया में भी हरेक रामनवमी पर हिंसा होने को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के साथ केन्द्र के भेदभाव को लेकर धरना दे रही हैं। यह ऐसा मुद्दा है जिसे बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टियों आधी सदी से भुना रही है पर अब यह मुद्दा बेअसर हो चुका है।

वाम मोर्चा सरकारें आए दिन इस मुद्दे पर धरना देती थीं और जब भी राज्य सरकार के खराब प्रदर्शन की बात उठती तब यह मुद्दा जोर शोर से उठाया जाता था।

वर्तमान में ममता बनर्जी की नीतियां व व्यवहार के कारण राज्य में कोई निवेश नहीं आ रहा है। युवा बेरोजगारी व अन्य राज्यों की ओर पलायन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अधिकांश घरों में सिर्फ बुजुर्ग बचे है क्योंकि युवा काम की तलाश में बाहर चले गए हैं।

राज्य के सरकारी कर्मचारी भी केन्द्र के समान डी.ए. मांग रहे हैं। राज्य में डी.ए. मात्र 4 प्रतिशत है जबकि केन्द्र में 42 प्रतिशत, इससे कर्मचारी नाराज है। उन्होने कहा कि ममता बनर्जी कलाकारों और खिलाड़ियों को मनमाने तरीके से पैसा बांटती है जबकि डी.ए. बढ़ाने के नाम पर पैसा नहीं होने की बात करती हैं।

गुरुवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों ने कलकत्ता में धरना दिया जिन्हें ममता नें "भौंकने वाले कुत्ते" करार दिया जिस पर भारी बवाल मचा।

देखा जाना है कि राज्य की वित्तीय स्थिति बेहत दयनीय है बजट घाटा बहुत ज्यादा है ओवर ड्राफ्ट पहले ही सीमा पार कर चुका है।

अमेरिका में ट्रम्प व भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुमर ने एक बयान में कहा कि ट्रम्प के अभियोजन में किसी प्रकार का प्रभावी राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने ट्रम्प के समर्थकों और आलोचकों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं कानून के अनुसार चलने देना चाहिए। सदन की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ट्वीट कर कहा कि ट्रम्प के अभियोजन में ग्रैण्ड जूरी ने तथ्य एवं विधि सम्मत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि "कानून से ऊपर कोई नहीं है तथा स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए हर किसी के पास कानूनी सुनवाई का अधिकार है और उम्मीद है कि पूर्व राष्ट्रपति उस सिस्टम का शांतिपूर्ण ढंग से आदर करेंगे, जो उन्हें यह अधिकार प्रदान करता है।"

लूज़ियाना के हाउस रिपब्लिकन मैजोरिटी लीडर स्टीव स्कलाइज़ ने भी इस अभियोजन को अपमानजनक बताया। हाउस में सैकिण्ड रैंक के इस रिपब्लिकन ने गुरूवार को ट्वीट किया कि "पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विरूद्ध न्यूयॉर्क में अभियोजन इसका स्पष्ट उदाहरण है कि चरमपंथी डैमोक्रेट्स अपने राजनीतिक विरोधियों पर प्रहार करने के लिए सरकार को हथियार बना रहे हैं।"

ट्रम्प के सहयोगियों ने यह कहते हुए अभियोजन की भर्त्सना की कि यह पूर्व राष्ट्रपति को पुनः निर्वाचित होने से रोकने का एक प्रयास है। राष्ट्रपतियों का इतिहास लिखने वाले मैट डालैक ने कहा कि यह अभियोजन अमेरिका में लोकतंत्र का एक संक्रमण कालहै और इसमें समान न्याय के सिद्धांत का परीक्षण होगा और हाल ही के इतिहास में शायद ऐसा कोई केस नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि "यह अभियोजन लोकतंत्र के लिए एक अच्छी खबर है और उथल-पुथल को भी परिलक्षित है, जो ट्रम्प ने हमारे सुशासन के सिस्टम के समक्ष प्रस्तुत की है। अतः बातें इसके पक्ष और विपक्ष दोनों को लेकर हैं।"

उन्होंने कहा कि "यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वे शायद पहले अथवा पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिन पर अभियोग चलाया जाएगा, लेकिन इससे यह एक मूल प्रश्न भी उठता है कि क्या उनकी सुनवाई निष्पक्ष की जाएगी? और क्या वह सुनवाई किसी प्रकार की हिंसा भड़कने के बिना आगे चलेगी? पर अमेरिका के द्विदलीय राजनीतिक सिस्टम के स्थायित्व और यहां कानून के शासन का एक टैस्ट भी होगा।"

भाजपा व कांग्रेस में स्पर्धा है कौन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होड़ मची है। कुमारास्वामी ने कहा कि पर वे स्वयं के बलबूते पर बहुमत लाने और सरकार बनाने के प्रयास में है। अगर त्रिशंकु जनादेश मिला और किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला, जैसा वर्ष 2018 में हुआ था, उन हालात को देखते हुए कुमारास्वामी का बयान महत्वपूर्ण है। जनता दल (एस) भाजपा व कांग्रेस दोनों के साथ सरकार बना चुकी है। जनवरी 2006 से पार्टी ने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी, जो 20 माह चली थी फिर मई 2018 में कांग्रेस के साथ सरकार बनाई थी जो 14 माह चली थी जिसमें कुमारास्वामी मुख्यमंत्री थे।

कुमारा स्वामी ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के लोकल नेता मीडिया के सामने कहा, "मेरी पार्टी को कमतर बताते हैं और बाद में आकर मेरा दरवाजा खटखटाते हैं। सिद्धारमैया कहते हैं कि जद (एस) का भाजपा से समझौता है वही मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई कहते हैं कि जद (एस) का कांग्रेस से समझौता है अगर उन्होने जद (एस) से सम्पर्क साधने का प्रयास नहीं किया होता तो क्या वे ये सब कहते? वे मेरी पार्टी इस बार खत्म नहीं कर सकते। उन्होने कहा 15 साल फंसे रहने के बाद इस बार मैं जनता के सामने आया हूँ। जद (एस) का लक्ष्य 224 में से 123 सीटें जीतने और अपने दम पर सरकार बनाने का है।"

स्वास्थ्य का अधिकार विधेयक राजस्थान

विश्लेषण और आपत्तियां As Given to CM

1. महत्वपूर्ण अर्थ वाले सभी संज्ञाओं और शब्दों की उचित परिभाषाएं जो संदर्भित और अर्थ करती हैं, जैसे दुर्घटना, आपात स्थिति, आपातकालीन देखभाल, परिवहन और प्राथमिक उपचार इसमें शामिल होनी चाहिए।
2. इस बिल में प्रस्तावित अधिकार केवल राजस्थान राज्य के निवासियों के लिए होने चाहिए।
3. वित्तीय प्रावधानों के बिना निजी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त इलाज की बाध्यता हैं, निजी अस्पतालों पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का बोझ नहीं डाला जा सकता है जो पहले से ही संकट में हैं और अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसे सार्वजनिक और नामित अस्पतालों के लिए ही निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
4. सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में कर्मचारियों और उपलब्ध सुविधाओं के बिना व भुगतान के बिना सभी आपात स्थितियों का इलाज करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए।
5. दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुफ्त रेफरल परिवहन सुविधा की व्यवस्था सरकार द्वारा ही की जानी चाहिए।
6. दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुफ्त इलाज के लिए सरकार द्वारा उचित शुल्क पुनर्भुगतान प्रक्रिया होनी चाहिए।
7. जिला स्वास्थ्य समिति में ग्राम प्रधान और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि होंगे, जो डॉक्टरों के खिलाफ पूर्वाग्रही और पक्षपाती हो सकते हैं, जो अंततः स्वास्थ्य सेवाओं को परेशान और बाधित कर सकते हैं। उन्हें प्राधिकरण में शामिल नहीं होना चाहिए।
8. डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ केवल एक ही शिकायत निवारण प्रणाली होनी चाहिए, सभी रोगियों को केवल इसका उपयोग करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। राज्य एवं जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण में डॉक्टर ही सदस्य हों, शिकायतों की जांच के लिए केवल विषय विशेषज्ञों को ही निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
9. सभी प्राधिकरणों में निजी, सरकारी डॉक्टरों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी या उनके प्रतिनिधि शामिल किए जाने चाहिए।
10. शिकायत निवारण में प्राधिकरण द्वारा अधिकृत किसी भी अधिकारी को किसी भवन या स्थान में प्रवेश करने, तलाशी लेने और जब्त करने का अधिकार नहीं होने चाहिए।
11. द्वेषपूर्ण और झूठी शिकायतों के लिए उचित संज्ञान और दंड के प्रावधानों को शामिल किया जाना चाहिए।
12. राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण या जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ दीवानी अदालतों के अधिकार क्षेत्र को पूरी तरह से वर्जित करना असंवैधानिक प्रावधान, इसे हटाया जाना चाहिए।
13. मुफ्त दुर्घटना आपातकालीन उपचार और अन्य मुफ्त उपचार केवल सरकारी अस्पतालों और नामित अस्पतालों में ही निर्दिष्ट किए जाने चाहिए।
14. रोगियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
15. डॉक्टरों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के अधिकार स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध और आरक्षित होने चाहिए।
16. डॉक्टरों को सुरक्षा और उनके खिलाफ हिंसा की रोकथाम प्रदान की जानी चाहिए।
17. निजी अस्पतालों पर राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ने की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बाध्यता नहीं होनी चाहिए।
18. इस अधिनियम के लिए किसी भी प्रकार के नियम बनाते समय हितधारक डॉक्टरों से परामर्श किया जाना चाहिए और मसौदा तैयार करने में उनकी भागीदारी शामिल होनी चाहिए।
19. राज्य सरकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं में तर्कहीन और अनुचित पैकेज दरें हैं इसलिए ठीक से गुणवत्तापूर्ण उपचार करना असंभव है, इनके सुधार के लिए प्रावधान और सुझावों के लिए हितधारक डॉक्टरों और अस्पतालों को कमेटी में शामिल और विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
20. राज्य में मजबूत गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा पर्यटन के लिए निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं को शुरू करने और उचित उपाय करने के लिए सरकार द्वारा प्रावधान होने चाहिए।
21. प्रदेश की 70 प्रतिशत आबादी की सेवा करने वाले निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए और इनके सुचारू संचालन के लिए कम लागत की बिजली आपूर्ति, 5 वर्ष में फायर एनओसी का नवीनीकरण, पुराने चल रहे अस्पताल भवनों को नियमित करने जैसी सुविधाएं दी जानी चाहिए।

19 मार्च को आई.एम.ए. की कमेटी ने डॉ. सुनील चुघ के नेतृत्व में सरकारी अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी, जिसमें अधिकारियों ने 21 बिंदुओं पर पूर्ण सहमति जताई थी, परंतु बिल के अंतिम स्वरुप में "हाइलाइटेड" बिंदुओं को ना केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि इसके विपरीत कार्य किया गया।

हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारी अस्पताल आज भी कार्यरत हैं।

वहीं महाधिवक्ता, जो वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से अदालत से जुड़े थे, ने अदालत को कहा कि कुछ ही डॉक्टर और संस्थाएं इस पूरी हड़ताल को भड़का रहे हैं और यह लोग सरकारी डॉक्टरों को भड़काने में भी कामयाब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राइट टू हैल्थ बिल डॉक्टरों की पूरी सहमति के बाद ही विधानसभा में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिनके निहित स्वार्थ शामिल हैं, वह इन डॉक्टरों को भड़का रहे हैं, जबकि राज्य सरकार ने ही इन अस्पतालों को औने-पौने दामों पर या मुफ्त जमीन मुहैया कराई है और कई प्राइवेट अस्पताल तो सरकारी स्कीमों की वजह से ही चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर डॉक्टरों को बिल के किसी प्रावधान से परेशानी है तो वह उसे अदालत में चुनौती दे सकते हैं पर ऐसे हड़ताल करना गैर कानूनी है।

अदालत ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि उन्होंने किसी भी डॉक्टर या डॉक्टरों की संस्था से बातचीत की है कि वह हड़ताल पर क्यों उतरे हैं क्योंकि याचिका में डॉक्टरा हड़ताल क्यों कर रहे है, इस बारे में नहीं बताया गया है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अखबारों की खबरों को आधार बनाकर याचिका दायर की है। अदालत इस बात से संतुष्ट नहीं थी कि प्राइवेट डॉक्टरों की हड़ताल को गैर कानूनी करार दिया जाये, बिना उनका पक्ष सुने। इसलिये अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पैनल वकील अंगद मिर्धा को इस मामले में डॉक्टरों का पक्ष रखने के लिये नोटिस तलब किये हैं और महाधिवक्ता को आदेश दिये हैं कि वह डॉक्टरों और सरकार के बीच हुई बातचीत का पूरा ब्यौरा अदालत के समक्ष पेश करें।

बहस के दौरान यह भी कहा गया कि राइट टू हैल्थ बिल को स्थगित कर दिया जाये जब तक डॉक्टरों और सरकार के बीच समझौता नहीं हो जाता। यहां उल्लेखनीय है कि राइट टू हैल्थ बिल को विधानसभा में पारित कर दिया गया है परंतु इस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इसलिये ये बिल अभी तक क्रियान्वित नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि 19 मार्च को, बिल के पारित होने से दो दिन पूर्व, आईएमए की जॉइन्ट एक्शन कमेटी के पांच सदस्य जिनमें डॉ.सुनील चुघ और डॉ.विजय कपूर शामिल थे, ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकारी अधिकारियों से बातचीत की थी। सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने 21 बिन्दुओं पर सहमति जताई थी और आश्वासन दिया था कि वह इन बिन्दुओं को बिल में जोड़ेगी परंतु जब बिल का अंतिम प्रारूप विधानसभा के समक्ष पेश किया गया तब इनमें से कई बिन्दुओं पर सरकार ने ना तो जोड़ा था बल्कि कई बिन्दुओं पर तो विपरीत कार्य भी किया था।

उदाहरण के तौर पर (1) आइएमए की इस टीम को आश्वासन दिया गया था कि छोटी एवं निजी अस्पतालों पर मुफ्त इलाज का भार नहीं डाला जायेगा और केवल उन्हीं अस्पतालों पर यह भार डाला जायेगा जो इसका आर्थिक भार झेल सकेंगे। (2) दुर्घटना पीड़ितों को रैफरल अस्पताल पहुंचाने के लिये परिवहन सुविधा का भार सरकार को उठाना होगा। (3) दुर्घटना पीड़ितों के लिये मुफ्त इलाज के लिये उचित शुल्क पुनर्भरण व्यवस्था होनी चाहिये। (4) स्टेट लेवल और डिस्ट्रिक्ट लैवल समितियों में ग्राम प्रधान और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि नहीं होने चाहिये जो डॉक्टरों के खिलाफ पक्षपात कर सकें। (5) राज्य सरकार के पैकेज में बढ़ावा किया जाये और इन्हें व्यवहारिक बनाया जाये। (6) प्रदेश की 70 फीसदी जनता की सेवा करेन वाले निजी स्वास्थ्य सुविधाओं को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिये और इनके सुचारू संचालन के लिये कम लागत की बिजली और पांच वर्ष में फायर एनओसी का नवीनीकरण, पुराने चल रहे अस्पताल भवनों को नियमित करने की सुविधा देनी चाहिये।

सूत्रों का कहना है कि इनमें से किसी भी बिन्दु पर सरकार ने प्रावधान नहीं किये हैं बल्कि विपरीत काम किया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि 19 मार्च को हुई मीटिंग में डॉक्टरों को आश्वासन दिया गया था कि उनकी सारी मांगें स्वीकार की जाएंगी। परंतु उन्हें मीटिंग समाप्त होने के बाद मीटिंग का हस्ताक्षरित ब्यौरा नहीं दिया गया और ना ही मांगों पर अमल किया गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आईएमए ने राज्यपाल को 25 मार्च यानी बिल के पारित होने के तीन दिन बाद पत्र लिखकर कहा था कि वह राइट टू हैल्थ बिल को विशेष तरह से नियुक्त की गई समिति को भेजें ताकि इस पर पुनर्विचार किया जा सके।

इस पत्र में भी आईएमए ने बिल में कई तरह की कानूनी त्रुटियां गिनाई हैं। परंतु सवाल यह है कि क्या यह पत्र भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा क्योंकि यह भी डॉक्टरों की संस्था द्वारा दिया गया प्रतिनिधित्व है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. **RAJHIN/2006/17286** **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय** : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय** : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय** :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय** :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय** : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908